INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-84 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 21 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### भीषण गर्मी और लू का कहर, पशु-पक्षी भी बेहाल दिखे, यमुना घाटों पर खामोशी

# तपती सड़कों पर पसरा सन्नाटा

आम दिनों में भीड़ से भरे रहने वाला भूतेश्वर तिराहा पर पसरा सन्नाटा।

गुरुवार दोपहर गर्मी की वजह से सन्नाटे में डूबा कृष्णा नगर बाजार।

लू और गर्मी से नेशनल हाईवे पर खामोशी दिखी।

## दोपहर में बाजार और चौराहे सुनसान,लू के थपेड़ों से लोग बेहाल

## हीट वेव अलर्ट से बढ़ी चिंता, प्रशासन ने दी सावधानी की सलाह

श्री कृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर एक के सामने दिखी शांति।

विशेष संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** सूरज के तेवरों से ब्रज की धरा झुलस रही है। दिन में तेज लू और रात में गर्म बयार लोगों का चैन छीन रही है। आसमान से बरसती आग को बयार और भड़का रही है। ऐसे सुकून छीनने वाले मौसम ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। अब तो दिन चढ़ते ही जन– जीवन की रफ्तार थमती दिखती है, सड़कों पर खामोशी नजर आती है। रौनक से भरे रहने वाले बाजार और चौराहे तो वीरान दिखते हैं।

सुबह के कुछ घंटे तक तो जन–जीवन गति भरता दिखता है, चहल–पहल भी नजर आती है, लेकिन दिन चढ़ने केसाथ चहल– पहल यह सब गायब होने लगता है। दोपहर में तो श्रीकृष्ण जन्मस्थान मार्ग, भूतेश्वर चौराहा, होलीगेट, डीग गेट, गोवर्धन चौराहा और यमुना घाटों के आसपास आम दिनों में दिखने वाली चहल–पहल लगभग गायब हो जाती है। तेज धूप और लू की वजह से लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो लोग जरूरी काम से निकल भी रहे हैं, वे चेहरे को कपड़े से ढके दिखते हैं। गर्मी से बचाव के लिए अन्य उपाय भी लोग कर रहे हैं। आम दिनों में भीड़ से भरे दिखने वाले यमुना के घाट गुरुवार को सूने नजर आए, भीड़ तो गायब सी दिखी। जिन घाटों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ रहती थी, वहां केवल तेज बयार और गर्म लू के थपेड़े ही थे, जिससे लहरें भी गर्म महसूस हो रही हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि दोपहर के समय कारोबार पूरी तरह ठप हो जाता है, शाम के बाद ही ग्राहक निकलते हैं। भीषण गर्मी ने जनजीवन को भी प्रभावित किया है। लोगों की दिनचर्या भी पूरी तरह बदल गई है। ब्रज की गलियां भी इन दिनों सन्नाटे में डूबी हुई हैं, मानो शहर ने भी तपती धूप से बचने के लिए खुद को समेट लिया हो। सार्वजनिक स्थान और सरकारी कार्यालय भी सूने हो गए हैं, यहां फरियादी भी कम दिखते हैं, बेसहारा जानवर भी बदन झुलसाने वाली गर्मी से परेशान हैं। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। आज अधिकतम तापमान में मामूली कमी दर्ज हुई है। अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वैसे, मौसम विभाग की ओर से हीट बेव का अलर्ट भी जारी होता रहा।

वहीं, प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, पर्याप्त पानी पिएं और लू से बचाव के उपाय अपनाएं।

### गोवर्धन और वृंदावन में श्रृद्धा और आस्था का संगम

# सूर्यास्त के साथ परिक्रमा को निकलते हैं भक्त

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** अधिक मास हो, भक्त गोवर्धन में गिरिराज महाराज की सात कोस और वृंदावन में पांच कोस की परिक्रमा न लगाएं,ऐसा हो नहीं हो सकता। इस समय दिन छिपने के साथ दो जगहों के परिक्रमा मार्ग में भक्तों के कदम आगे बढ़ते नजर आते हैं। वजह दिन में तो भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों से आसमान से आग बरसती है और नीचे धरती गर्म रहती है। सूर्यास्त से लेकर सूर्य उदय तक परिक्रमा मार्ग में राधे–राधे और गिरिराज महाराज की गूंज गुंजायमान सुनाई देती है।

वृंदावन स्थित ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर, श्रीराधावल्लभ मंदिर, निधिवन राज मंदिर, सेवाकुंज मंदिर, श्रीराधारमण मंदिर, राधादामोदर मंदिर,

राधा श्याम सुंदर मंदिर, निधिवन, प्रेम मंदिर और इस्कॉन आदि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। हाथ में माला झोली लिए भक्त राधा नाम का मन ही मन उच्चारण करते हुए आगे कदम बढ़ाते हुए चलते दिखाई देते हैं। वह रास्ते में पड़ने वाली यमुना महारानी को भी प्रणाम करते हैं।

जिला प्रशासन की ओर से परिक्रमा मार्ग पर बालू डलवाई गई है, लेकिन नियमित पानी का छिड़काव न होने से यह तेज हवा में उड़कर परेशानी का सबब बनी हुई है। अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने बताया कि बालू पर समय–समय पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है।

परिक्रमा मार्ग पर वाहनों को आवाजाही से श्रद्धालु परेशान नजर आ रहे हैं। दंडौती परिक्रमा देने वालों को भय रहता है कि कहीं वह किसी वाहन की चपेट न आ जाएं। भक्तों ने परिक्रमा मार्ग में वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

दूसरी ओर गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाने वाले भी दिन छिपने के साथ पहुंच रहे हैं। वह रात्रि में परिक्रमा पूरी कर दानघाटी और मानसी गंगा मुखारविंद पर गिरिराज महाराज के दर्शन करते हैं।

### टकराव से गिरती है गरिमा, वादकारी को होता है नुकसान

# जज और अधिवक्ता के बीच होनी चाहिए शब्दों की शालीनता

**यूनिक समय, मथुरा।** बार– बेंच के बीच बढ़ रहे विवाद न्याय ओर वादकारी के हित में नहीं है। न्यायालय में गुप्त रिकार्डिंग भी कानून के लिहाज से सही नहीं है। जज ओर अधिवक्ता के बीच शब्दों की शालीनता होनी चाहिए। नैतिकता और शालीनता भी कानूनी पेशे के लिए जरूरी है। बार और बेंच के बीच बढ़ रहे तनाव को कम करने के लिए दोनों पक्षों को व्यवहार में लचीलापन दिखाना चाहिए, यह न्याय और वादकारी के हित में है। इसके लिए शब्द गरिमा का खास ध्यान रखा जाना चाहिए।

ताजा मामला दिल्ली की रोहिणी कोर्ट से जुड़ा है, जहां अधिवक्ता और जज के बीच सुनवाई को लेकर शुरू हुआ। इस विवाद में हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। यदा– कदा ऐसे ही मामले मथुरा समेत अन्य जिलों से भी पूर्व में सामने आते रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता इसे वादकारी के हित में उचित भी नहीं मानते हैं। ऐसे अधिवक्ताओं का मानना है कि इंटरनेट मीडिया भी छोटे विवादों को बड़ा बनाने की वजह बनकर सामने आया है। पेश है अधिवक्ताओं के विचार।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल का कहना है कि 50 साल की प्रेक्टिस के दौरान कभी जज के साथ टकराव नहीं हुआ। हम अदालत के अंदर किसी बात को तेज बोलने के बजाय धीरे बोलकर रख सकते हैं।

एडवाकेट ओमवीर सारस्वत का कहना है कि यह पेशा गरिमा से जुड़ा है। दोनों पक्षों को इसका ध्यान रखना चाहिए। अदालत से जुड़ने से पहले जज और अधिवक्ता को शालीनता और संयम के लिए शपथ भी दिलाई जाना जरूरी है।

एडवाकेट गोपाल प्रसाद शर्मा इसके लिए 1960 एडवाकेट अधिनियम में संशोधन करने के पक्ष में दिखे। उनका मानना है कि वार– बेंच के बीच टकराव इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो भी वजह हैं।

अधिवक्ता प्रमेंद्र यादव का मानना है कि वार और बेंच के बीच बढ़ते टकराव के पीछे नए जजों और नए अधिवक्ताओं का बढ़ता अहम प्रमुख कारण है। उनके अनुसार, पहले अदालतों में आपसी संवाद और सम्मान का माहौल अधिक मजबूत रहता था, लेकिन अब छोटी–छोटी बातों पर विवाद बढ़ने लगे हैं। अदालत परिसर में मोबाइल ले जाने और गुप्त रूप से वीडियो बनाने की प्रवृत्ति को भी गलत बताया।

## प्रेरणा समिति ने मनाया राधा–माधव का भव्य व्याहुला उत्सव

कार्यक्रम में मौजूद अग्रोहा विकास ट्रस्ट की पदाधिकारी।

**यूनिक समय,मथुरा।** प्रेरणा अग्रोहा विकास ट्रस्ट महिला समिति की ओर से श्रीजी बाबा आश्रम में राधा–माधव के भव्य व्याहुला उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की सभी सदस्याओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी समिति की सखियों ने राधा–माधव के भजनों पर नृत्य प्रस्तुत किया और भक्तिमय वातावरण में उत्सव का आनंद लिया।

पुरुषोत्तम मास के अवसर पर राधा–माधव का व्याहुला, भव्य श्रृंगार, श्री श्यामा श्याम संकीर्तन मंडल द्वारा आयोजित भजन संध्या, छप्पन भोग, ठाकुर जी की पोशाक अर्पण, फूल बंगला सजाया गया। संस्था की ओर से राधारानी को कन्यादान स्वरूप एक वाटर डिस्पेंसर भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में संस्थापिका- संयोजिका रजनी अग्रवाल, संयोजिका रंजन मित्तल, अध्यक्ष जागृति अग्रवाल, महामंत्री रजनी अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अर्चना अग्रवाल सहित नीलम मंगल, कल्पना और सीमा मौजूद रहीं।

### भजन, छप्पन भोग और फूल बंगले से भक्तिमय हुआ माहौल

## राधारानी सेवा समिति का 12 वां वार्षिकोत्सव सात जून को

**यूनिक समय, राया ( मथुरा)।** श्री राधारानी सेवा समिति द्वारा संचालित 124 वीं मासिक पदयात्रा और 12 वां वार्षिकोत्सव सात जून को मनाया जाएगा। इसके लिए समिति के पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। समिति के पवन गोयल, भूपेश अग्रवाल और मुकेश अग्रवाल ने बताया कि 7 जून को 12 वां वार्षिकोत्सव मनाया जायेगा। इसमें पदयात्रा , फूलबंगला , छप्पन भोग , भजन संध्या और महाप्रसादी आदि कार्यक्रमों काआयोजन किया जाएगा।इससे पहले चार जून को सायं चार बजे आमंत्रण यात्रा कस्बे में प्रमुख मार्गों से निकाली जायेगी।

## आधुनिक तकनीक से हृदय रोगी का सफल उपचार

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर के मथुरा न्यूरो हॉस्पिटल में आधुनिक तकनीक के माध्यम से एक हृदय रोगी का सफल उपचार किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज को कुछ ही घंटों में राहत मिलने लगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्पित अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीकों के विकास से अब जटिल हृदय रोगों का उपचार अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गया है। पहले कार्डियोलॉजी से जुड़ी प्रक्रियाओं में मरीजों को अधिक परेशानी होती थी, उपचार में भी ज्यादा समय लगता था, लेकिन आधुनिक तकनीक ने उपचार को आसान बना दिया है। उन्होंने कहा कि जो सुविधाएं पहले केवल बड़े महानगरों के अस्पतालों में उपलब्ध थी, वे अब मथुरा में भी मिल रही हैं। इससे स्थानीय मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ रहा है। डॉ.अग्रवाल ने लोगों से हृदय रोग के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सीने में दर्द, सांस फूलना, अत्यधिक थकान या धड़कनों का असामान्य होना जैसी समस्याएं दिखाई दें तो तुरंत किसी योग्य कार्डियोलॉजिस्ट से संपर्क करना चाहिए।

## संत प्रेमानंद ने भक्तों को दिए दर्शन, अफवाहों पर लगा विराम

गुरुवार सुबह भक्तों को दर्शन देते संत प्रेमानंद महाराज।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** संत प्रेमानंद महाराज आज सुबह केली कुंज आश्रम से बाहर निकले तो उनकी एक झलक पाने के लिए आतुर भक्तों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इसी के साथ सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की फैल रही भ्रांतियों पर भी विराम लग गया।

गौरतलब है कि पिछले कई दिनों संत प्रेमानंद की पदयात्रा स्थगित थी। इस बारे में आश्रम की ओर से एक शिष्य ने बाकायदा एनाउंस भी किया। इसी एनाउंस के साथ बाहर से आए भक्तों में मायूसी देखने को मिली। इसके बाद भी आज सुबह बड़ी उम्मीद के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए पहुंचे।

महाराज श्री ने भी भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए दर्शन दिए। भक्तों के बीच पहुंचकर दर्शन देने के बाद श्रद्धालुओं ने खुशी जताई। हालांकि महाराज ने आश्रम से बाहर आकर परिक्रमा मार्ग में कुछ दूरी तक पदयात्रा की, वह हर रोज की तरह सौभरि वन नहीं गए।

### तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

31 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

### सोना–चांदी भाव

**सोना**

24 कैरेट 1,60,230

22 कैरेट 1,46,750

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**

2,85,000 प्रति किलो


**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालय:**– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

**फोन नंबर**–0565–2420150,

**मो.** 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

**डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28**

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

### महिलाओं ने डीएम से लगाई गुहार

# अवैध शराब से गांवों में बिगड़ रहा पारिवारिक माहौल

**यूनिक समय, मथुरा।** गुरुवार को गांव जुनसुटी के ग्राम संगठन से जुड़ी महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं। डीएम के नाम ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को सौंपा। महिलाओं ने गांव में संचालित अवैध देसी शराब की बिक्री को बंद कराने की गुहार लगाई। कहा कि गांव का ही एक व्यक्ति अवैध शराब का काम करता है, दिन और रात सप्लाई करता है। गांव में शराब नहीं, बच्चों के लिए इंटर कालेज चाहिए।

गांव में अवैध शराब बिक्री को बंद कराने की मांग को लेकर डीएम कार्यालय पर मौजूद महिलाएं।

## जुनसुटी की महिलाओं ने गांव के एक व्यक्ति पर लगाया आरोप

## दिन और रात होती है घर-घर सप्लाई, उधार में पिलाने का होता है काम

काफी संख्या में डीएम को ज्ञापन देने आईं संगठन के अलावा अन्य ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि गांव में दो साल से देसी शराब को कालाबाजारी में बेचने का खुलेआम कारोबार चल रहा है। गांव का ही परसोराम इस अवैध कारोबार को कर रहा है। दिन और रात मजदूर वर्ग के लोगों को कालाबाजारी में उधार में शराब बेचता है। एक पौवा को सौ रुपये में देता है, मजदूरी पर जाने वाले इसे कालाबाजारी में खरीदते हैं, शराब पीने के बाद ऐसे मजदूर लोग घरों में कलह माचते हैं, जिससे घर का माहौल भी खराब होता है। महिलाओं ने आरोप लगाया के परसोराम से इस अवैध कारोबार को बंद करने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। कहा कि थाने और चौकी में कितनी शिकायत कर लो, कुछ नहीं होगा। वह इस काम के एवज में धनराशि देता है। महिलाओं ने बताया के समूह की महिलाएं बचत करतीं हैं, लेकिन शराब की लत के लिए पति जबरन पैसे ले जाते हैं, मारपीट भी की जाती है। ग्राम संगठन से जुड़ी इन महिलाओं का कहना था कि अवैध शराब बिक्री का यह धंधा घरों में कलह की वजह बन रहा है, बच्चों पर भी इसका खराब असर पड़ रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा ने इस मामले में महिलाओं को कार्रवाई कराने का भरोसा दिया।

# 10 महीने में तय नहीं हो सकी कब्जा ध्वस्त करने की तारीख

## सौ कदम की दूरी तय नहीं कर सकी जिला पंचायत

## नजूल जमीनों पर कब्जा हटाने में हो रही खींचतान

**यूनिक समय, मथुरा।** जिला पंचायत कार्यालय से सदर तहसील की दूरी बमुश्किल सौ कदम होगी, लेकिन 10 महीने में जिला पंचायत इस दूरी को तय नहीं कर सकी है। नजूल जमीन से कब्जा हटाने में जिला पंचायत के अधिकारी खींचतान में जुटे हैं, लेकिन कार्रवाई के लिए तारीख तय नहीं करा पा रहे हैं।

मामला फरह कस्बा के मोहल्ला चटसाल स्थित नजूल भूमि से जुड़ा है। इस मोहल्ले में स्थित नजूल समेत निजी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत बीते साल एडीएम वित्त- राजस्व डा. पंकज कुमार वर्मा से की गई, इस पर उन्होंने एसडीएम सदर और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। इन निर्देश के बाद सदर तहसील की ओर से मामला जिला पंचायत का बताकर शिकायत को निस्तारित कर दिया गया, जबकि एक महीने बाद अगस्त में जिला पंचायत ने एसडीएम को कार्रवाई के लिए तारीख तय करने को पत्र भेज दिया। अब करीब 10 माह बीतने के बाद भी जिला पंचायत नजूल जमीन से जुड़े इस प्रकरण में कार्रवाई के लिए तारीख तय नहीं करा सकी है। जूनियर इंजीनियर और अभियंता कार्रवाई और तारीख तय कराने के लिए गेंद को एक-दूसरे के पाले में डाल रहे हैं, लेकिन तारीख तय नहीं करा पा रहे हैं।

फरह कस्बा के मोहल्ला चटसाल में बनाया गया अवैध कमरा।

### अपर मुख्य अधिकारी के बिगड़े बोल

इस मामले में गुरुवार को जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विनोद कुमार ढाका से बात की गई तो उनके सुर बिगड़े सुनाई दिए। उन्होंने कहा कि आपकी जमीन पर कब्जा है तो आप खुद तोड़ दीजिए। जिला पंचायत की जमीन पर कब्जे को हम हटाएं या नहीं, आपको क्या लेना। वह यहां भी नहीं रुके, कहने लगे कि हम कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। हमारी जमीन से आपको क्या लेना-देना, हम कब्जा हटाएं या नहीं।

# डीजल पर बढ़ाए गए दाम लिए जाएं वापस

डीएम कार्यालय पर नारेबाजी करते उत्तर प्रदेश किसान सभा के कार्यकर्ता।

## उप्र. किसान सभा ने सिटी मजिस्ट्रेट के जरिये भेजा पीएम को ज्ञापन

**यूनिक समय, मथुरा।** गुरुवार को उत्तर प्रदेश किसान सभा ने पीएम के नाम सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। डीजल पर बढ़ाए गए मूल्य वापस लेने की मांग की। किसानों के साथ हो रहे अन्याय को रोकने और जरुरत के अनुसार खाद की उपलब्धता बनाने की मांग की। संगठन के जिलाध्यक्ष एडवोकेट छीतर सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों ने ज्ञापन देते हुए कहा कि किसानों के साथ हो रहे अत्याचार की संगठन निंदा करता है। डीजल पर मूल्य बढ़ाने के विरोध में यह विरोध प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल डीजल- पेट्रोल और गैस पर बढ़ाए गए दामों को वापस लेना चाहिए। ट्रैक्टरों और सिंचाई के लिए बिना टैक्स डीजल दिया जाना चाहिए। किसानों ने पूरी जरूरत के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने और महंगाई को दूर करने की मांग करते हुए कहा कि गरीबों को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दी जानी चाहिए। छाता चीनी मिल के लिए मुख्यमंत्री को एक हजार करोड़ का बजट स्वीकृत करना चाहिए। इस दौरान गजेंद्र सिंह, जयवीर सिंह, दयाराम, मानसिंह, चतुर सिंह, सुखवीर सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

# नरहौली में हुए पथराव के मामले में तीन मुकदमे दर्ज

## मुकदमों की जांच क्राइम ब्राच करेगा

## इलाके में तनावपूर्ण शांति है कायम

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाइवे के गांव नरहौली में बीती रात दलितों की बारात को लेकर हुए विवाद और पथराव के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने भी इस मामले में एक मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमों की जांच क्राइम करेगी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस को भी तैनात किया गया है। बीती रात नरहौली में एक दलित परिवार की बारात आई थी। बरात में ठाकुर जाति के दुकानदार के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से जमकर पथराव हुआ। पथराव में ठाकुर पक्ष की एक महिला बुरी तरह से घायल हो गई, जिसका इलाज चल रहा है।

इस बारे में एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि इलाके में शांति है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस तैनात है। दोनों ही पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ थाना हाइवे में तहरीर दी गई है। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस की ओर से भी पथराव करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। सीसी कैमरों की फुटेज और वीडियो के आधार पर झगड़ा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना की निष्पक्ष जांच क्राइम ब्रांच से जांच कराई जाएगी। इलाके में तनाव पूर्ण शांति है। पुलिस द्वारा पूरी तरह से नजर रखी जा रही है। इस मामले को लेकर ठाकुर पक्ष के लोग एएसपी से उनके कार्यालय पर घटना की निष्पक्ष जांच कराने के लिए मिले थे।

# भीषण गर्मी में विभाग अलर्ट अधिकारियों को सख्त निर्देश

**यूनिक समय,मथुरा।** भीषण गर्मी और लगातार हो रही बिजली समस्याओं को लेकर प्रकाशित "यूनिक समय" अखबार की खबर का असर दिखाई देने लगा है। खबर प्रकाशित होने के बाद विद्युत निगम हरकत में आया और उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर अधिकारियों- कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उपभोक्ताओं और जनप्रतिनिधियों की फोन कॉल अनिवार्य रूप से रिसीव करें। यदि किसी कारणवश कॉल रिसीव न हो सके तो संबंधित उपभोक्ता को बैक कॉल अवश्य किया जाए। सभी कर्मचारियों को उपभोक्ताओं से शालीनता और सम्मानपूर्वक बातचीत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को सीयूजी नंबर दिए गए हैं, उन्हें अपने मोबाइल 24 घंटे चालू रखने के आदेश दिए गए हैं। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। विभाग ने उप केंद्रवार ब्रेकडाउन, शटडाउन और सप्लाई की स्थिति की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुपों पर साझा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर सूचना मिल सके।

### पेट्रोल–डीजल महंगा,जनता की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

# लोग बोले–हर बार जनता पर ही क्यों पड़ता है बोझ

## बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता

## एक सप्ताह में दूसरी बार बढ़े दाम

भूतेश्वर पेट्रोल पंप अपनी गाड़ियों में पेट्रोल भरवाते लोग।

आलोक

रजत कुमार

सागर गोस्वामी

दीपक सोलंकी

राहुल कुमार

विष्णु

**यूनिक समय, मथुरा।** पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की परेशानी बढ़ा दी है। एक सप्ताह में दूसरी बार दाम बढ़ने से लोगों में चिंता दिखाई दे रही हैं। कुछ दिन पहले ही पेट्रोल और डीजल पर तीन–तीन रुपये की बढ़ोतरी हुई थी और अब फिर पेट्रोल 91 पैसे और डीजल 87 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह बार–बार कीमतें बढ़ती रहीं तो आने वाले समय में महंगाई और ज्यादा बढ़ जाएगी, आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ जाएगा। सौंख अड्डा स्थित एक पेट्रोल पंप संचालक ने बताया कि दाम बढ़ने के बाद बिक्री में असर साफ दिखाई दे रहा है। पहले जितनी गाड़ियां पेट्रोल भरवाने आती थीं, अब उनकी संख्या कम हो गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 प्रतिशत तक बिक्री घटी है। लोग अब जरूरत होने पर ही वाहन निकाल रहे हैं। गर्मी के मौसम का असर भी देखने को मिल रहा है। पेट्रोल पंप संचालक सिद्धार्थ ने बताया कि तेल की सप्लाई सामान्य चल रही है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। पहले कुछ ग्राहक उधार में पेट्रोल या डीजल ले जाते थे, लेकिन अब लगभग सभी लोग नगद भुगतान कर रहे हैं। ग्राहक आलोक वार्ष्णेय ने कहा,"दुनिया में युद्ध जैसे हालात जरूर बने हुए हैं, लेकिन इसका पूरा बोझ आम जनता पर डालना ठीक नहीं है। दूसरे देशों में भी तनाव है, फिर वहां इतनी तेजी से दाम नहीं बढ़ रहे। सरकार को आम आदमी की परेशानियों को समझना चाहिए। रजत कुमार ने कहा, जनता ने सरकार को भरोसे के साथ चुना है।

ऐसे में हर फैसला सोच–समझकर लिया जाना चाहिए। पेट्रोल और डीजल महंगा होने का असर सिर्फ गाड़ियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि बाजार की हर चीज महंगी हो जाती है। सागर गोस्वामी ने कहा,पहले से ही महंगाई लगातार बढ़ रही है। घर चलाना मुश्किल हो गया है। अब एक सप्ताह में दो बार पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ना लोगों की चिंता और बढ़ा रहा है। दीपक सोलंकी ने कहा,फिलहाल लोग किसी तरह काम चला रहे हैं, लेकिन यदि आने वाले दिनों में और बढ़ोतरी हुई तो आम परिवारों की आर्थिक स्थिति पर बड़ा असर पड़ेगा। सरकार को समय रहते राहत देने के बारे में सोचना चाहिए। राहुल सिंह ने कहा, जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ सरकार को चुना है।

लोग चाहते हैं कि महंगाई पर नियंत्रण रखा जाए। पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दाम सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों को प्रभावित करते हैं। विष्णु कुमार ने कहा,पेट्रोल और डीजल सिर्फ ईंधन नहीं हैं, इनके दाम बढ़ने से हर सामान महंगा हो जाता है। किराया बढ़ता है, सब्जियां महंगी होती हैं और रोजमर्रा का खर्च बढ़ जाता है। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

# परिक्रमा मार्ग पर बढ़ रहा मौत का खतरा

## लू और धधकते ईंट भट्ठों के बीच श्रद्धालुओं की परीक्षा

## भारी वाहनों की तेज रफ्तार से हादसे का डर

**यूनिक समय, सुरीर।** 45 डिग्री तापमान और आग उगलते ईंट भट्ठों के बीच भी आस्था लगातार दिखाई दे रही है। हजारों श्रद्धालु नंगे पैर "राधे–राधे" का जाप करते हुए ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा कर रहे हैं, लेकिन अब यह आस्था भरा मार्ग श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। परिक्रमा मार्ग पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे ईंट, तूरी और अन्य सामान से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर–ट्रॉली, ट्रक और भारी वाहन श्रद्धालुओं की जान जोखिम में डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण परिक्रमा मार्ग धीरे–धीरे "मौत की सड़क" बनता जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सुरीर क्षेत्र के कई ईंट भट्ठों पर दिन–रात भारी वाहनों का संचालन होता है। सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की परिक्रमा शुरू हो जाती है, लेकिन उसी समय भारी वाहन भी तेज गति से निकलते हैं। सड़क के किनारे कंटीली झाड़ियां होने के कारण श्रद्धालुओं को बचने तक की जगह नहीं मिलती। ऐसे में हर गुजरता वाहन हादसे का डर बढ़ा देता है। श्रद्धालु प्रेमवीर, राधेश्याम और शिवचरण ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉलियों से सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है। वाहनों के तेज हार्न और शोर से भी श्रद्धालु परेशान हैं।

ग्रामीण श्याम बिहारी लवानियां, दिलीप कुमार, ओमप्रकाश, मनोज कुमार और दाऊजी गुप्ता सहित कई लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि परिक्रमा के समय सुबह के घंटों में ईंट और तूरी से भरे भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

## 200 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव देवसेरस निवासी मौहब्बत को मल्ल सराय वाले बम्बे की तरफ कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया है। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

### गर्मी में वाहनों में लगने वाली आग से कैसे बचा जाए

# सीएफओ ने बताए आग से बचाव के साधन

## वाहन में एक्सट्रा एक्सेसरियां भी हैं एक कारण

## वाहन में हैमर रखने पर दिया गया जोर

**यूनिक समय, मथुरा।** इस भीषण गर्मी में बढ़ते तापमान के चलते हाइवे, यमुना एक्सप्रेस वे सहित अन्य सड़कों पर वाहनों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाए लोगों की चिंता का सबब बन रहा है। ऐसी घटनाओं को थोड़ी सी सावधानी बरत कर कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

बढ़ते तापमान, सड़क पर चलने के दौरान टायरों से पैदा होने वाली गर्मी के चलते गर्म होने से वाहनों में आग लगने की संभावना बलवती हो रही हैं। वाहन में आग लगने के कई कारण हो सकते हैं जिन पर लोगों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है और बाद में दुर्घटना होने पर उन का ध्यान आता है। सड़क पर वाहनो मे लगने वाली आग की घटनाओं के बारे में सीएफओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन मुख्य कारणों में वाहनों में लगाई जाने वाली एक्सेसरी है। वायरिंग में इस

तरह की एक्सेसरी लगाए जाने से वाहन की वायरिंग पर लोड पड़ता है और शॉर्ट सर्किट होने पर आग लग जाती है। अगर वाहन में एक्सेसरी लगवानी है तो कंपनी से लगवाई जाए, जिससे वायरिंग उसका लोड सहन कर सके। वाहन की वायरिंग से छेड़ छाड़ नहीं करनी चाहिए। वाहन में लगी बैट्री भी आग लगने का मुख्य कारण हो सकती है। इसके साथ ही गाड़ी के इंजन के अधिक गर्म होने पर भी वाहन में आग लग सकती है। इंजन की समय पर सर्विस कराकर आग की घटनाओं को रोका जा सकता है। सीएफओ ने वाहन चलाने वालों को इस बात की भी सलाह दी है कि इस तरह की घटना में गाड़ी के ऑटोमेटिक लॉक होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल पाते हैं जिसके चलते उनके साथ मिसहेपनिंग हो जाती है। इस रोकने के लिए वाहन हैमर रखने की सलाह दी है जिससे हैमर से घटना के समय खिड़की लॉक होने पर शीशा तोड़ कर बाहर निकला जा सके। सीट बैल्ट को काटने के लिए भी इमरजेंसी इंतजाम रखने चाहिए।

### लेखपाल परीक्षा में शामिल हुए 4669 परीक्षार्थी

# 971 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

**यूनिक समय, मथुरा।** गुरुवार को 13 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित लेखपाल परीक्षा से 971 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गए। परीक्षा में 4669 परीक्षार्थी ही शामिल हुए। प्रशासन और पुलिस द्वारा की गई कड़ी सुरक्षा के बीच आज प्रातः दस बजे से सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू हुई। परीक्षा के लिए 5640 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, लेकिन इस दौरान केवल 4669 परीक्षार्थी ही इस परीक्षा में शामिल हुए। कड़ी सुरक्षा और निगरानी में हुई परीक्षा से 971 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, लेखपाल भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच 13 केंद्रों पर हुई। परीक्षार्थियों को कक्ष में प्रवेश से पहले सघन तलाशी की गई। इसके साथ ही केंद्रों पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। परीक्षा के दौरान 13 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 13 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे। केंद्रों और उनके आस-पास के इलाके में काफी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया। कंट्रोल रूम और सीसी टीवी केमरों से परीक्षा पर नजर रखी गई। केंद्रों पर लगातार अधिकारियों द्वारा चेकिंग की गई। केंद्रों के बाहर पुलिस ने लोगों को खड़ा तक नहीं होने दिया। परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावक और अन्य लोग इंतजार करते हुए केंद्र के बाहर इधर-उधर बैठे नजर आए।

## रेलवे ने परीक्षा के लिए चलाई स्पेशल ट्रेन

**यूनिक समय, मथुरा।** लेखपाल परीक्षा के मद्देनजर रेलवे के नोर्थ ईस्ट रेलवे के इज्जत नगर मंडल ने परीक्षा स्पेशल ट्रेन भी चलाई। यह ट्रेन बरेली से प्रातः चार बजे चलकर मथुरा प्रातः 8 बजकर 45 मिनट पर मथुरा जंक्शन पहुंची। दोपहर में ट्रेन 1 बजकर दस मिनट पर मथुरा जंक्शन से चलकर 5 बजकर 50 मिनट पर बरेली पहुंचेगी।

## डायवर्जन और ऑटो न चलने से हुई लोगों को परेशानी

**यूनिक समय,मथुरा।** पुलिस द्वारा लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए आज प्रातः आठ बजे से एक बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन चला। इसके चलते लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

लेखपाल भर्ती परीक्षा देने के लिए आने वाले अभियार्थियों की संख्या को देखते हुए शहर की सड़कों पर जाम न लगे, इसके लिए एसपी ट्रैफिक ने एक एडवाइजरी जारी करके प्रातः आठ बजे से एक बजे तक के लिए डायवर्जन लागू किया। डायवर्जन के चलते इन इलाकों में ई-रिक्शा और ऑट के साथ-साथ चार पहिया और कॉमर्शियल वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहा। इन क्षेत्रों के रहने वाले लोगों ई-रिक्शा ऑटो आदि के न चलने के कारण इस भीषण गर्मी में आने जाने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज के नौका बिहार के दर्शन हुए।

# जनगणना के महाअभियान में फिर उतरेगा शिक्षक समाज

### 22 मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण कार्य, मथुरा के शिक्षकों पर फिर बड़ी जिम्मेदारी

### बीएसए रतन कीर्ति बोलीं- "यह केवल ड्यूटी नहीं, राष्ट्र निर्माण का कर्तव्य है"

**यूनिक समय, मथुरा।** 22 मई से शुरू होने जा रहे जनगणना के मकान सूचीकरण कार्य को लेकर शिक्षा विभाग पूरी तरह तैयार हो चुका है। एक बार फिर शिक्षक समाज विद्यालयों से निकलकर गांव-गांव, गली-मोहल्लों और घर-घर पहुंचकर राष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी भागीदारी निभाएगा। इस अभियान को लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने वाला कर्मचारी नहीं, बल्कि देश और समाज की सबसे मजबूत ताकत है। उन्होंने कहा

बीएसए रतन कीर्ति

कि जब भी देश के सामने कोई बड़ा दायित्व आता है, तब शासन और प्रशासन सबसे पहले शिक्षक समाज पर भरोसा करता है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि शिक्षक केवल किताबों तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज की हर परिस्थिति और हर वर्ग को समझने की क्षमता रखता है।

बीएसए ने कहा कि जनगणना का कार्य केवल आंकड़े जुटाने तक सीमित नहीं है। यह आने वाले भारत की तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। सरकार की भविष्य की योजनाएं, विकास कार्य, संसाधनों का वितरण और करोड़ों लोगों से जुड़े फैसले इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। ऐसे में मकान सूचीकरण और जनगणना का प्रत्येक तथ्य बेहद महत्वपूर्ण होता है।

# सीएई मथुरा ने जीडी गोयनका पर दर्ज की शानदार जीत

### लॉर्ड कृष्णा बाइलेटरल सीरीज

### दूसरा मैच कल सीएई मथुरा और जबलपुर के मध्य

**यूनिक समय, मथुरा।** सीपी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित "लॉर्ड कृष्णा बाइलेटरल सीरीज" के मुकाबले में सीएई मथुरा ने जीडी गोयनका जबलपुर को छह विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जीडी गोयनका जबलपुर की टीम 25 ओवर के इस मैच में मात्र 51 रन पर ऑलआउट हो गई। कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। मथुरा के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हार्दिक ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच ओवर में मात्र 1 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं केरन सिंह (कान्हा) ने 4 विकेट और रुद्रांश चौधरी ने 2 विकेट अपने नाम किए।

52 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएई मथुरा की शुरुआत थोड़ी खराब रही, लेकिन कप्तान आर्यन तोमर ने जिम्मेदारी संभालते हुए नाबाद 19 रन बनाए। राधिका यादव ने 15 रन और शिवांग शर्मा ने नाबाद 7 रन का योगदान दिया। टीम ने 8.2 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जीडी गोयंका जबलपुर की तरफ़ से मोहित यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट और रेयांश ने भी 1 विकेट लिया । शानदार गेंदबाजी के लिए हार्दिक और केरन सिंह की खूब तारीफ हुई। दोनों ही खिलाड़ियों को आज के मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मोहित यादव को फाइटर ऑफ़ द मैच चुना गया । इस दौरान जबलपुर के कोच चार्ल्स भी उपस्थित रहे । कल सुबह 6 बजे से सीरीज का दूसरा मैच सीएई मथुरा और जबलपुर के मध्य खेला जाएगा।

मैच शुरू होने से पहले टास उछालते अतिथि।

# पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने को समझाए उचित तरीके

वृंदावन शोध संस्थान में चल रही कार्यशाला में पांडुलिपियों को संरक्षित करने के बारे में समझाते विशेषज्ञ।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** वृंदावन शोध संस्थान में गुरुवार को ज्ञान भारतम् केसंयुक्त तत्वावधान में चल रही पंच दिवसीय संरक्षण कार्यशाला के तीसरे दिन वरिष्ठ संरक्षण विशेषज्ञ डा. दिनेश कुमार वर्मा ने अभिलेखागार और संरक्षण संस्थानों के भवन और भंडारण क्षेत्रों के सही दस्तावेजीकरण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सही तरीके से रिकॉर्ड तैयार करने और जानकारी सुरक्षित रखने से पांडुलिपियों के भंडारण और संरक्षण कार्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

उन्होंने ग्रंथागार भवन के सही रख-रखाव और वहां सुरक्षित रखी गई अमूल्य पांडुलिपियों को वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित रखने की जानकारी दी।

वरिष्ठ संरक्षक एन.आर.एल.सी. लखनऊ के पीके पांडेय ने पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने के लिए उचित तरीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पांडुलिपियों पर लगे सेलो टेप को हटाने, कागज पर से बॉलपेन की स्याही के धब्बे हटाने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न रसायनों के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यशाला में जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा, बीएसए कॉलेज मथुरा, केएम इंस्टीट्यूट ऑफ हिंदी एंड लिंग्विस्टिक्स आगरा, गीता प्रेस बड़े काजीपुर, श्रीहनुमान प्रसाद पोद्दार मेमोरियल गीता वाटिका गोरखपुर, राजीव एकेडमी फॉर टैक्नोलॉजी एंड मैनेजमेन्ट मथुरा, जीवा इंस्टीट्यूट वृंदावन, श्रीरंगनाथ मंदिर वृन्दावन, उड़िया बाबा आश्रम वृन्दावन, अखंडानंद आश्रम वृंदावन, निम्बार्क संस्कृत विद्यालय वृंदावन, रामपुर रजा लाइब्रेरी रामपुर, गौर यूनिवर्सिटी सागर (मप्र), अनेकांत ज्ञान मन्दिर बीना (मप्र), सिंधिया ओरियन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट उज्जैन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज, नागरी प्रचारिणी सभा बनारस औरआदि संस्थानों से लगभग 40 प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं।

### अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस कल पर विशेष

# जैव विविधता का अनूठा संगम बना जोधपुर वेटलैंड

**यूनिक समय, मथुरा।** मथुरा-आगरा सीमा पर जोधपुर झाल वेटलैंड जैव विविधता के अनूठे केंद्र के रूप में उभरा है। वैज्ञानिक सर्वेक्षणों और क्षेत्रीय अध्ययनों में यहां 200 से अधिक स्थानीय और प्रवासी पक्षी प्रजातियों की पहचान की जा चुकी है। यह वेटलैंड सेंट्रल एशियन फ्लाईवे के अंतर्गत आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण विश्राम और ठहराव स्थल बन गया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद औरं वन विभाग के संरक्षण में विकसित यह वेटलैंड अब पक्षियों, जलीय जीवों, वन्यजीवों, तितलियों, ड्रैगनफ्लाई और औषधीय वनस्पतियों का सुरक्षित आश्रय है। यहां की समृद्ध जैव विविधता मजबूत पारिस्थितिकीय तंत्र की गवाही देती है। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के ईकोलॉजिस्ट डॉ. केपी सिंह ने बताया कि जोधपुर झाल में वर्ष भर जल उपलब्धता, पोषक तत्वों की

प्रचुरता और विविध माइक्रो-हैबिटेट्स के कारण पक्षियों की लगातार मौजूदगी बनी रहती है। भीषण गर्मी में भी यहां जलीय और तटीय पक्षियों का दिखाई देना इस आर्द्रभूमि की उच्च पारिस्थितिकीय क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यहां संकटग्रस्त कछुओं की तीन प्रजातियों और मछलियों की चार प्रजातियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। अजगर सहित आठ से अधिक प्रजातियों की उपस्थिति इस क्षेत्र की पारिस्थितिकीय समृद्धि को और महत्वपूर्ण बनाती है।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा ने कहा कि जोधपुर वेटलैंड को पारिस्थितिकी, पक्षी विज्ञान, संरक्षण जीवविज्ञान, जैव विविधता मूल्यांकन और जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए प्राकृतिक प्रयोगशाला के रूप में

## मथुरा-आगरा सीमा पर विकसित हो रहा शोध का बड़ा केंद्र

विकसित किया जा रहा है। सिटी फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर अतुल तिवारी ने बताया कि वन विभाग द्वारा वेटलैंड का वैज्ञानिक संरक्षण, सतत प्रबंधन और दीर्घकालिक मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि इसे प्रदेश के आदर्श वेटलैंड संरक्षण मॉडल के रूप में स्थापित किया जा सके। जोधपुर वेटलैंड में तितलियों और ड्रैगनफ्लाई की 20 से अधिक प्रजातियां रिकॉर्ड की गई हैं, जो पर्यावरणीय गुणवत्ता और प्राकृतिक संतुलन की सूचक मानी जाती हैं। यहां घास की 18 से अधिक प्रजातियां, औषधीय महत्व की 30 से अधिक वनस्पति प्रजातियां पाई जाती हैं, जो इस वेटलैंड को जैव विविधता का जीवंत खजाना बनाती हैं।

# जिला सैनिक बंधु की बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर चर्चा

जिला सैनिक बंधु की बैठक में मौजूद अधिकारी और पूर्व सैनिक आदि।

**यूनिक समय, मथुरा।** जिला सैनिक बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम न्यायिक वेदप्रिय आर्य की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर हुई कार्रवाई की जानकारी पूर्व सैनिकों को दी गई। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह ने पूर्व सैनिकों से कहा कि वे अपने प्रार्थना पत्र ब्लॉक सैनिक बंधु के माध्यम से बैठक से तीन-चार दिन पूर्व जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में जमा करा सकते है। वरिष्ठ सैनिक बंधु खेमचंद शर्मा नागेश ने जनपद के सभी ब्लॉक सैनिक बंधुओं से क्षेत्र के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों से लगातार संपर्क बनाए रखने, उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में तेज सिंह, वरिष्ठ लिपिक मनोज कुलश्रेष्ठ,भंवर सिंह, जवाहरलाल, श्याम सुंदर, बेनीवाल, राधाचरण, आरबी सिंह यादव, ब्रज सिंह पांडव, भगवान सिंह फौजी, अर्जुन सिंह, अशोक कुमार, योगेंद्र सिंह, कैप्टन प्रताप सिंह, मेघश्याम, सतबीर, प्रेमवीर सिंह, बी.एस. चौधरी, सरिता देवी और सीमा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

### सूरज की रोशनी से सबसे ज्यादा विटामिन डी सोखता है शरीर का ये अंग

# सिर्फ15 मिनट में ही मिल जाएगा भरपूर विटामिन डी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** शरीर में विटामिन डी की कमी को दूर करने का सबसे अच्छा सोर्स है सुबह की धूप, लेकिन बहुत कम लोग सही तरीके से धूप ले पाते हैं। जिससे विटामिन डी की कमी को पूरा किया जा सके। डॉक्टर ने बताया शरीर का कौन सा अंग सबसे ज्यादा विटामिन डी सोखता है।

शरीर में विटामिन डी की कमी को खतरनाक माना जाता है। विटामिन डी की कमी होने से हड्डियों और जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। इतना ही नहीं रोगप्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है। जिससे बीमारियां शरीर को जकड़ लेती हैं। ऐसे में डॉक्टर्स विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए रोज सुबह धूप लेने की सलाह देते हैं। सूरज की रोशनी विटामिन डी का सबसे अच्छा सोर्स है। ऐसे में रोजाना धूप लेना बहुत जरूरी है। हालांकि बहुत कम लोगों को ही पता होता है कि सही तरीके से धूप कैसे लेनी है और किस वक्त कितनी देर की धूप लेने से

विटामिन डी की कमी को पूरा किया जा सकता है। आइये डॉक्टर से जानते हैं शरीर का कौन सा हिस्सा सूरज से मिलने वाले विटामिन डी को सबसे ज्यादा सोखता है?

कुछ लोग सूरज से विटामिन डी लेने के लिए काफी देर और गलत तरीके से धूप में बैठे रहते हैं। जिससे टैनिंग हो सकती है या फिर उतना फायदा नहीं मिलता जितना आपको मिलना चाहिए। क्योंकि लोगों को लगता है कि सूरज की ओर मुंह करके बैठने और धूप की ओर देखने से विटामिन डी मिलता है। जबकि डॉक्टर का कहना है कि विटामिन डी आपको आंखों से नहीं मिलता। बल्कि आपके शरीर पर सूरज की किरणें पड़ने से हमारी बॉडी खुद विटामिन डी बनाती है।

जब भी सूरज की धूप से विटामिन डी लेने के लिए बैठते हैं तो कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें। इंस्टाग्राम पर डॉक्टर जमाल खान ने वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने सही तरीके से धूप लेना बताया है। डॉक्टर का कहना है कि धूप की तरफ देखने भर से या आंखों से विटामिन डी नहीं मिलता है। बल्कि हमारी त्वचा जितनी ज्यादा धूप के संपर्क में आएगी उतना ही विटामिन डी मिलेगा। खासतौर से कमर सबसे ज्यादा विटामिन डी सोखती है। इसलिए जब भी धूप लें सूरज को रोशनी कमर पर जरूर पड़नी चाहिए। कमर खुली हो तो बहुत अच्छा है नहीं तो किसी हल्के मलमल के कपड़े से शरीर को कवर करें। कपड़ा या बनियान सफेद हो तो सबसे अच्छा है।

जब सूरज की किरणें शरीर पर पड़ती हैं तो अंदर होने वाले न्यूट्रिशन ब्रेकडाउन से शरीर में विटामिन डी बनता है। इस तरह सुबह सिर्फ 15 मिनट धूप में बैठने से ही अच्छी तरह विटामिन डी मिल जाता है। विटामिन डी के लिए गर्मी में 8 बजे से पहले की धूप लें और सर्दियों में 9 बजे से पहले की धूप लें। इससे शरीर को रोजाना की जरूरत के लिए विटामिन डी आसानी से मिल जाता है।

# दांतों से पीलेपन और गंदगी को कहें अलविदा

### फिटकरी से करें घरेलू उपाय

**यूनिक समय, मथुरा।** अगर आपके दांत बार–बार ब्रश करने के बावजूद भी पीले नजर आते हैं, तो अब घबराने की जरूरत नहीं है। आपके किचन में मौजूद एक आम चीज फिटकरी इस समस्या का सरल और असरदार समाधान बन सकती है। फिटकरी में एंटी–बैक्टीरियल और क्लीनिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो न सिर्फ दांतों का पीलापन हटाने में मदद करती हैं, बल्कि ओरल हेल्थ को भी बेहतर बनाती हैं।

फिटकरी का मंजन बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में फिटकरी के टुकड़ों को गर्म करें। जब यह पिघलकर सख्त और दानेदार बन जाए, तो उसे ठंडा होने के बाद मिक्सर में पीस लें। अब उसी पैन में लगभग 6 लौंग को हल्का भूनें और उन्हें भी फिटकरी के साथ मिक्सर में डाल दें। इसके बाद 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर सबको अच्छे से पीस लें। इस मिश्रण को किसी सूखे कंटेनर में स्टोर करके रखें।

दांतों की सफाई से पहले सादा पानी से कुल्ला करें। फिर ब्रश पर थोड़ा सा फिटकरी मंजन लगाएं और हल्के हाथों से दांतों पर ब्रश करें। कुछ मिनट ब्रश करने के बाद पानी से कुल्ला कर लें। इस मंजन का नियमित उपयोग करने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगता है। फिटकरी के इस मंजन से दांतों पर जमा पीला परत हटती है और दांत साफ, सफेद और चमकदार नजर आते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद तत्व बैक्टीरिया, प्लाक और अन्य गंदगी को जमा नहीं होने देते। यह एक किफायती, प्राकृतिक और सुरक्षित तरीका है, जो आपके दांतों की सुंदरता और स्वच्छता दोनों को बनाए रखने में मदद करता है।

# आटा गूंथने में मिला लें ये एक चीज गैस पर रखते ही एकदम फूले–फूले बनेंगे फुल्के

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय खाने में रोटी और चावल दोनों शामिल होते हैं। मोटापा कम करने में रोटी बहुत बड़ा रोल प्ले करती है, लेकिन रोटी को सही तरीके से बनाया जाए तो इससे वजन कम भी हो सकता है। इसके लिए आटा गूंथने में ये एक चीज मिला दें। एकदम फूले–फूले फुल्के बनेंगे।

खाने की थाली में अगर फुल्के न हों तो ये अधूरी मानी जाती है। भारतीय खाने में रोटी सबसे अहम है। लंच से लेकर डिनर तक में लोग रोटी और चावल खाना पसंद करते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी की रोटी तेजी से वजन बढ़ाती है। इसलिए जो लोग मोटापा कम करना चाहते हैं वो आचा गूंथने में एक सफेद चीज मिला लें। इससे फुल्के एकदम फूले हुए बनेंगे और वजन घटाने में भी फायदा मिलेगा। जी गेहूं के आटे में थोड़ा चावल का आटा मिक्स करके रोटियां बनाएं। चावल के आटे की रोटी काफी हल्की हो जाती है। इस रोटी को खाने से आपका पेट भी भर जाता है और कैलोरी भी नहीं बढ़ती। गेहूं की रोटी की बजाय चावल की रोटी कहीं ज्यादा फायदेमंद होती है।

चावल का आटा बाजार में आसानी से मिल जाता है। आप चाहें तो नॉर्मल घर पर रखे चावल को पीसकर भी आटा बना सकते हैं। अब जब आपको रोटी बनानी हो आप 1 कप गेहूं का आटा लें और उसमें 1 कप चावल का आटा मिक्स कर लें। दोनों आटे को अच्छी तरह छान लें और इसमें थोड़ा नमक, एक चम्मच तेल डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। चावल और गेहूं का आटा हल्के गुनगुने पानी से ही गूंथें। आटे को सेट होने के लिए थोड़ी देर रख दें।

गूंथे हुए आटे को रोटियां बनाने से पहले सेट कर लें। अब एक लोई तोड़ें और उसमें सूखा आटा लगाकर गोल बेल लें। चावल के आटे से बनी रोटी काफी सफेद और मुलायम बनती है। आप इसे हल्का ऊपर सेंक लें और फिर नीचे गैस पर घुमाते हुए सेंक लें। एकदम फूले–फूले फुल्के बनकर तैयार होंगे।

मोटापा कम करने में असरदार– चावल के आटे से बनी रोटी वजन घटाने में असरदार साबित होती है। इससे बढ़े हुए वजन को कम किया जा सकता है। चावल के आटे की रोटी में नॉर्मल आटे की रोटी से कम कैलोरी होती है और पेट अच्छी तरह भर जाता है। इसलिए वजन घटाने वाले लोग चावल की रोटी को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

**पाचन होगा बेहतर–** चावल में फाइबर की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है, इसलिए चावल के आटे की रोटी को पेट के लिए अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को पाचन और कब्ज की समस्या रहती है उन्हें चावल के आटे की रोटी जरूर खानी चाहिए?

**दिल के लिए फायदेमंद–** चावल के आटे से बनी रोटी का हार्ट के लिए भी अच्छी मानी जाती है। इसमें ओमेगा–3 फैटी एसिड और कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो दिल की सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। इसलिए चावल की रोटी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

# डिजिटल युग में बिगड़ते संस्कार, बच्चों का भविष्य संकट में

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बच्चे समाज की नींव होते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल युग की चकाचौंध में बच्चों की परवरिश एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। माता–पिता अपने व्यस्त जीवन और कामकाजी शेड्यूल के चलते बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। नतीजतन, वे बच्चों की हर मांग पूरी करके अपने दायित्व की भरपाई करने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह तरीका बच्चों में न केवल अनुशासन और नैतिकता की कमी ला रहा है, बल्कि एक स्वार्थी और असंवेदनशील पीढ़ी को जन्म दे रहा है जो समाज के लिए भविष्य में गंभीर खतरा बन सकती है।

पहले घरों में दादा–दादी, नाना–नानी

जैसे बुजुर्ग बच्चों को संस्कार और जीवन मूल्य सिखाया करते थे। लेकिन अब सिंगल फैमिली, क्रेच, और मोबाइल–रील्स की दुनिया में बच्चों को सही मार्गदर्शन कम ही मिल पाता है। ऐसे में परिवार का माहौल, भाषा, व्यवहार और माता–पिता का निर्णय लेने का तरीका ही बच्चों के व्यक्तित्व की नींव बनता है।

संस्कार केवल नैतिक नियम नहीं बल्कि एक व्यक्ति की सोच, संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और इंसानियत का मूल आधार होते हैं। अच्छे संस्कार वाला बच्चा न केवल एक अच्छा नागरिक बनता है, बल्कि समाज के प्रति भी सजग और जिम्मेदार होता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को बचपन से ही मजबूत और सकारात्मक संस्कार दिए जाएं।

**समाज के प्रति जिम्मेदारी :** बच्चों को सिखाएं कि जीवन सिर्फ अपने लिए नहीं होता। दूसरों की तकलीफ, जरूरत और भावनाओं को समझना और मदद करना समाजिक जीवन की अनिवार्य शर्त है। इससे उनमें करुणा और सहभागिता की भावना विकसित होती है।

**स्वस्थ जीवनशैली की आदतें :** आज के बच्चे स्वाद के पीछे भागते हैं और जंक फूड के आदी हो चुके हैं। उन्हें समझाएं कि घर का खाना, समय पर सोना–जागना, व्यायाम करना और स्वच्छता अपनाना शरीर और मन दोनों के लिए जरूरी है।

**सेवा और श्रम का महत्व :** मोबाइल और टीवी की दुनिया ने बच्चों को शारीरिक रूप से निष्क्रिय बना दिया है। उन्हें छोटे–छोटे घरेलू कामों में शामिल करें।

अपना बैग खुद रखना, पानी भरना, बड़ों की मदद करना जैसे काम बच्चों में जिम्मेदारी और सेवा भाव जगाते हैं।

**धार्मिक और नैतिक जागरूकता :** बच्चों को पूजा–पाठ, धार्मिक कहानियां और ग्रंथों की जानकारी दें। इससे उनके भीतर संयम, आत्मनियंत्रण और सही–गलत की पहचान करने की क्षमता विकसित होगी। साथ ही पढ़ने की आदत भी मजबूत होगी।

**प्रकृति से जुड़ाव :** बच्चों को मोबाइल की स्क्रीन से निकाल कर प्रकृति की ओर ले जाएं। मिट्टी में खेलना, पेड़–पौधों से जुड़ना, गांवों की सैर जैसे अनुभव उनके तन और मन दोनों को स्वस्थ और मजबूत बनाते हैं।

**अंतिम संदेश :** सिर्फ अच्छी शिक्षा या सुविधाएं बच्चों को बेहतर इंसान नहीं बनातीं। इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें बचपन से ही संस्कारों की खाद दें। अगर आज हमने बच्चों को सही दिशा नहीं दी, तो कल समाज इसकी बड़ी कीमत चुका सकता है।

## सुविचार

"सामूहिक सहयोग से ही सपने साकार होते हैं।"

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | षष्ठी | 08:26-06:24 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | आश्लेषा | 02:49-02:08 तक | माह | ज्येष्ठ |
| सूर्योदय | | 5:31 AM | चन्द्रोदय | 10:56 AM |
| सूर्यास्त | | 7:00 PM | चंद्रास्त | 12:32 AM |
| सूर्य राशि | | वृषभ राशि | चंद्र | सिंह राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:48AM -12:42 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 03:59-04:47 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 10:34 AM: 12:15 PM | वार | शुक्रवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

### प्लॉट खरीदने से पहले जरूर समझें वास्तु संकेत

# प्लॉट की सही दिशा और आकार दिलाएंगे सुख–समृद्धि

**यूनिक समय, मथुरा।** आज के समय में अपना घर बनाना हर व्यक्ति का सपना होता है। यही कारण है कि लोग प्लॉट खरीदते समय उसकी लोकेशन, सड़क, बाजार, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं पर सबसे पहले ध्यान देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के जानकारों का मानना है कि केवल भौतिक सुविधाएं ही पर्याप्त नहीं होतीं। यदि प्लॉट का चयन वास्तु सिद्धांतों के अनुसार किया जाए तो घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख–शांति और आर्थिक स्थिरता बनी रहती है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर, पूर्व और उत्तर–पूर्व दिशा की ओर मुख वाला प्लॉट सबसे शुभ माना जाता है। खासतौर पर ईशान कोण यानी उत्तर–पूर्व दिशा को ज्ञान, समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि ऐसी दिशा वाले प्लॉट परिवार की तरक्की और आर्थिक मजबूती में सहायक होते हैं।

### छोटी लापरवाही बढ़ा सकती है मानसिक तनाव

प्लॉट का आकार भी वास्तु में बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। चौकोर और आयताकार प्लॉट सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये संतुलन और स्थिरता का प्रतीक होते हैं। इसके विपरीत त्रिकोणीय, अंडाकार या कटे हुए कोनों वाले प्लॉट वास्तु के अनुसार उपयुक्त नहीं माने जाते। विशेष रूप से यदि उत्तर–पूर्व दिशा का कोना कटा हुआ हो, तो इसे अशुभ माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

भूमि की ढलान पर ध्यान देना भी जरूरी है। वास्तु के अनुसार प्लॉट की ढलान उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होनी चाहिए, जबकि दक्षिण–पश्चिम भाग थोड़ा ऊंचा होना शुभ माना जाता है। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर बना रहता है। मिट्टी की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण होती है। हल्की नमी वाली लाल, पीली या भूरी मिट्टी निर्माण के लिए अच्छी मानी जाती है, जबकि बंजर या अत्यधिक रेतीली भूमि कम अनुकूल मानी जाती है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि प्लॉट के उत्तर या पूर्व दिशा में सड़क होना लाभकारी होता है। वहीं सामने बड़ा बिजली का खंभा, विशाल पीपल या बरगद का पेड़, मंदिर या अस्पताल की छाया पड़ना वास्तु के अनुसार उचित नहीं माना जाता।

टी–जंक्शन पर स्थित प्लॉट को भी वास्तु में अशुभ माना गया है। मान्यता है कि ऐसी जगह सड़क से आने वाली ऊर्जा सीधे भवन से टकराती है, जिससे मानसिक तनाव और अस्थिरता बढ़ सकती है। इसी तरह श्मशान या कब्रिस्तान के पास स्थित भूमि पर घर बनाने से भी बचने की सलाह दी जाती है।

हालांकि वास्तु को लेकर अलग–अलग मान्यताएं हो सकती हैं, लेकिन प्लॉट खरीदते समय दिशा, आकार, ढलान और आसपास के वातावरण जैसे पहलुओं पर ध्यान देना समझदारी भरा कदम माना जाता है। सही योजना और संतुलित सोच से लिया गया फैसला भविष्य में सुखद और सुरक्षित जीवन की नींव बन सकता है।

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेष राशि:** कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

**वृषभ राशि:** धन लाभ के योग बन रहे हैं। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। कार्यस्थल पर सम्मान बढ़ेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

**मिथुन राशि:** कल मन कुछ अस्थिर रह सकता है। कार्यों में देरी संभव है। धैर्य बनाए रखें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार में छोटी बात पर तनाव हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कर्क राशि:** नए अवसर प्राप्त होंगे और भाग्य आपका साथ देगा। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश से लाभ होने की संभावना है।

**सिंह राशि:** कल नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

**कन्या राशि:** आज मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति होगी। नए संपर्क लाभकारी रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्चों से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

**तुला राशि:** कल का दिन संतुलित रहेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। प्रेम जीवन में मधुरता आएगी। आर्थिक लाभ संभव है। मित्रों से सहयोग मिलेगा। निर्णय सोच–समझकर लें और जल्दबाजी से बचें।

**वृश्चिक राशि:** कल चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। धैर्य और समझदारी से काम लें। खर्च बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी।

**धनु राशि:** भाग्य आपका साथ देगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। यात्रा लाभकारी हो सकती है।

**मकर राशि:** कल कार्यों में स्थिरता रहेगी। मेहनत से सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

**कुंभ राशि:** नए विचार और योजनाएं बनेंगी। कार्यक्षेत्र में बदलाव संभव है। मित्रों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मीन राशि:** कल का दिन शुभ रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। धन लाभ संभव है। परिवार में खुशी आएगी। मानसिक शांति मिलेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आत्मविश्वास मजबूत रहेगा।

# मिथुन में गजलक्ष्मी योग, पांच राशियों की चमकेगी किस्मत

**यूनिक समय, मथुरा।** ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिथुन राशि में गुरु और शुक्र की युति से गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण हुआ है। यह शुभ संयोग 2 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। माना जा रहा है कि इस दौरान कई राशियों के लोगों को धन, सफलता, सुख–सुविधाएं और करियर में तरक्की के विशेष अवसर प्राप्त हो सकते हैं। खासतौर पर मेष, मिथुन, सिंह, तुला और कुंभ राशि वालों के लिए यह समय बेहद लाभकारी माना जा रहा है। मेष राशि के लोगों को इस दौरान भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। नई प्रॉपर्टी, वाहन खरीदने और आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। वहीं मिथुन राशि वालों के लिए यह राजयोग सबसे अधिक शुभ माना जा रहा है।

यश, प्रतिष्ठा और धन में वृद्धि के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में भी मधुरता बढ़ सकती है। सिंह राशि वालों की आय में बढ़ोतरी और अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। कारोबार में फायदा मिल सकता है। तुला राशि के लोगों को नई नौकरी, प्रमोशन और रुका हुआ धन मिलने की उम्मीद है। वहीं कुंभ राशि वालों को करियर में नए अवसर और आर्थिक मजबूती मिलने के संकेत हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह समय निवेश, नए कार्यों की शुरुआत और सकारात्मक निर्णय लेने के लिए अनुकूल माना जा रहा है।

# गर्मी में ऐसे बचाएं तुलसी, सही देखभाल से दूर होगी सूखने की समस्या

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय घरों में तुलसी का पौधा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और औषधीय गुणों का भी केंद्र माना जाता है। लगभग हर घर के आंगन या बालकनी में तुलसी जरूर दिखाई देती है। लेकिन गर्मियों का मौसम आते ही लोगों की सबसे बड़ी परेशानी बन जाती है–तुलसी का बार–बार सूखना। सुबह तक हरा–भरा दिखने वाला पौधा शाम तक मुरझाया नजर आने लगता है। तेज धूप, गर्म हवाएं और मिट्टी में नमी की कमी इसके मुख्य कारण माने जाते हैं। हालांकि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर तुलसी को पूरे साल हरा–भरा रखा जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार गर्मियों में तुलसी को सबसे ज्यादा नुकसान गलत तरीके से पानी देने से होता है। कई लोग दोपहर में पौधे में पानी डाल देते हैं, जिससे गर्म मिट्टी में भाप बनने लगती है

और जड़ें कमजोर हो जाती हैं। इसलिए तुलसी में पानी हमेशा सुबह जल्दी या शाम को सूर्यास्त के बाद ही देना चाहिए। इससे मिट्टी में नमी बनी रहती है और पत्तियां ताजा रहती हैं।

तुलसी को स्वस्थ रखने के लिए एक खास घरेलू उपाय भी काफी लोकप्रिय है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुरुवार के दिन पानी में थोड़ा कच्चा दूध मिलाकर तुलसी की जड़ में डालना शुभ माना जाता है। ध्यान रहे कि केवल दूध नहीं डालना चाहिए, बल्कि पानी में कुछ बूंदें दूध की मिलानी चाहिए। माना जाता है कि इससे पौधे को अतिरिक्त पोषण मिलता है और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। कई बुजुर्ग आज भी इस परंपरा का पालन करते हैं और इसे तुलसी को लंबे समय तक हरा रखने का असरदार तरीका मानते हैं। इसके अलावा तुलसी के लिए मिट्टी का गमला सबसे बेहतर माना जाता है।

### दूध और नमी से मिलेगा पौधे को जीवन

प्लास्टिक के गमलों में गर्मी जल्दी बढ़ती है, जबकि मिट्टी के गमले हवा का संचार बनाए रखते हैं और जड़ों को सुरक्षित रखते हैं। यदि पौधा जल्दी सूख रहा हो तो गमले में सूखे नारियल के छिलके रखने से भी फायदा मिलता है। ये लंबे समय तक नमी बनाए रखते हैं और मिट्टी को ठंडा रखने में मदद करते हैं।

गर्मियों में दोपहर की तेज धूप तुलसी की पत्तियों को जला सकती है। ऐसे में पौधे को ऐसी जगह रखें जहां हल्की धूप मिले। जरूरत पड़ने पर ऊपर हल्का सूती कपड़ा भी लगाया जा सकता है, ताकि हवा आती रहे लेकिन सीधी धूप न पड़े। धार्मिक मान्यताओं में तुलसी का सूखना शुभ नहीं माना जाता, लेकिन इसके पीछे ज्यादातर कारण देखभाल की कमी ही होते हैं। सही समय पर पानी, पर्याप्त नमी और हल्की धूप मिलने पर तुलसी का पौधा गर्मियों में भी हरा–भरा और स्वस्थ बना रह सकता है।

## सम्पादकीय

# कर्ज की राजनीति से कब जागेंगे राज्य?

लोकतंत्र में जनता को राहत देना सरकारों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन जब राहत की राजनीति भविष्य के विकास पर भारी पड़ने लगे, तब चिंता स्वाभाविक हो जाती है। देश के कई राज्यों में आज यही स्थिति दिखाई दे रही है। चुनावी वादों और मुफ्त योजनाओं की होड़ में सरकारें लगातार कर्ज ले रही हैं, जबकि विकास परियोजनाओं पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जा रहा है। ताजा वित्तीय आंकड़ों ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन राज्यों में कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है, लेकिन उसके अनुपात में स्थायी विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहे। मुफ्त बिजली, नकद सहायता, सब्सिडी और चुनावी गारंटियों का आकर्षण राजनीति के लिए आसान रास्ता बन गया है। जनता को तत्काल राहत जरूर मिलती है, लेकिन लंबे समय में इसका असर राज्य की आर्थिक सेहत पर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि लिया गया कर्ज उत्पादन बढ़ाने या नई परिसंपत्तियां तैयार करने के बजाय राजस्व खर्च में इस्तेमाल हो रहा है। यानी जो पैसा सड़क, उद्योग, अस्पताल, सिंचाई और शिक्षा पर लगना चाहिए, वह अस्थायी राजनीतिक लाभ में खर्च हो रहा है। इसके विपरीत कुछ राज्य पूंजीगत निवेश को प्राथमिकता देकर भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों ने सड़क, तकनीक, उद्योग और शहरी ढांचे पर बड़ा निवेश किया है। यह केवल आर्थिक अंतर नहीं, बल्कि सोच का अंतर भी है। एक तरफ अल्पकालिक लोकप्रियता की राजनीति है, दूसरी तरफ दीर्घकालिक विकास की नीति। राजस्थान में पानी और रोजगार की चुनौती पहले से गंभीर है। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विस्तार अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा, जबकि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध छत्तीसगढ़ भी आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा पा रहा। यदि यही स्थिति बनी रही तो ये राज्य विकास आधारित नहीं, बल्कि अनुदान आधारित अर्थव्यवस्था बनकर रह जाएंगे। सरकारों को अब राजनीतिक साहस दिखाना होगा। कर्ज की स्पष्ट सीमा तय करनी होगी और उसे केवल विकास परियोजनाओं तक सीमित रखना होगा। मुफ्त योजनाओं की नियमित समीक्षा जरूरी है। जनता को स्थायी समाधान चाहिए, केवल तात्कालिक राहत नहीं। किसानों को बाजार और सिंचाई, युवाओं को रोजगार और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना ही सही विकास मॉडल होगा। संतुलित नीति ही राज्यों की आर्थिक सेहत और भविष्य दोनों को सुरक्षित रख सकती है।

पवन गौतम
संपादक

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

## नजरिया

# सोने की मार से सूना पड़ा बाजार

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में सोना केवल धातु नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा, पारिवारिक सुरक्षा और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक माना जाता है। शादी–ब्याह से लेकर त्योहारों तक, भारतीय जीवन में सोने की उपस्थिति सदियों पुरानी है। लेकिन आज वही सोना आम लोगों की पहुंच से तेजी से दूर होता जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी और नागरिकों से एक वर्ष तक आभूषण खरीद टालने की अपील के बाद देश का आभूषण उद्योग अभूतपूर्व दबाव में दिखाई दे रहा है। बाजारों में सन्नाटा है, बड़े–बड़े शोरूमों में ग्राहक कम हो गए हैं और लाखों कारीगरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

सरकार का तर्क है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और कमजोर होता रुपया देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी दबाव डाल रहे हैं। चूंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयातक देशों में शामिल है, इसलिए आयात कम करना आर्थिक मजबूरी बन गया है। इसी सोच के तहत सरकार ने सोने पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर पंद्रह प्रतिशत कर दिया। उद्देश्य साफ है–विदेशी मुद्रा की बचत और व्यापार घाटे पर नियंत्रण। लेकिन यह आर्थिक फैसला अब सामाजिक और रोजगार संबंधी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

भारत का आभूषण उद्योग केवल बड़े कारोबारियों तक सीमित नहीं है। यह ऐसा क्षेत्र है जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग एक करोड़ लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसमें सुनार, डिजाइनर, कारीगर, पैकेजिंग कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट, बैंकिंग और बीमा क्षेत्र तक शामिल हैं। जब बाजार में बिक्री घटती है, तो इसका असर केवल दुकानदार पर नहीं बल्कि पूरी श्रृंखला पर पड़ता है। छोटे शहरों और कस्बों में हजारों परिवार ऐसे हैं जिनकी आय का मुख्य स्त्रोत यही उद्योग है। आज वही लोग खाली बैठने को मजबूर हैं।

स्थिति इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में सोने की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। उद्योग के अनुसार पिछले पांच वर्षों में कीमतों में लगभग तीन सौ प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि केवल एक वर्ष में ही करीब अस्सी प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। परिणामस्वरूप आम ग्राहक अब उतना सोना नहीं खरीद पा रहा जितना पहले खरीदता था। पहले जो परिवार बारह तोले का आभूषण बनवाता था, वह अब ग्यारह या उससे भी कम पर सिमट रहा है। मध्यम वर्ग के लिए यह बदलाव सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है।

भारत में विवाह समारोहों में सोने का विशेष महत्व होता है। दक्षिण भारत में कसुमालै, झिमिकी और पारंपरिक चूड़ियां केवल गहने नहीं बल्कि पारिवारिक धरोहर मानी जाती हैं। उत्तर भारत में भी बेटी की शादी में सोना

सामाजिक सम्मान से जोड़ा जाता है। ऐसे में जब कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, तो परिवार अपनी योजनाओं में बदलाव करने लगे हैं। कई लोग नकली आभूषणों का सहारा ले रहे हैं, जबकि केवल मंगलसूत्र, अंगूठी या कुछ जरूरी प्रतीकात्मक गहनों तक खरीद सीमित की जा रही है। यह बदलाव भारतीय सामाजिक संरचना में एक नए दौर का संकेत देता है।

बाजार में एक और बड़ा परिवर्तन तेजी से दिखाई दे रहा है–पुराने आभूषणों का विनिमय। अब ग्राहक नए सोने की खरीद के बजाय पुराने गहनों को बदलवाकर नए डिजाइन बनवा रहे हैं। इससे उन्हें केवल मेकिंग चार्ज देना पड़ता है और लागत अपेक्षाकृत कम हो जाती है। यही कारण है कि पारंपरिक भारी गहनों की जगह हल्के और आधुनिक डिजाइन वाले आभूषणों की मांग बढ़ी है। युवा पीढ़ी अब गहनों को केवल निवेश नहीं, बल्कि फैशन और उपयोगिता के नजरिये से भी देख रही है। चौदह और अठारह कैरेट के हल्के आभूषण, लैब में बने हीरे और चांदी के डिजाइनर उत्पाद तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। हालांकि यह बदलाव उद्योग के लिए अवसर और संकट दोनों लेकर आया है। बड़े ब्रांड खुद को नए ट्रेंड के अनुसार ढाल सकते हैं, लेकिन पारंपरिक कारीगरों के लिए यह परिवर्तन आसान नहीं है। दशकों से भारी सोने के आभूषण बनाने वाले कारीगरों को अब नई तकनीक, हल्के डिजाइन और आधुनिक फैशन की मांग के अनुसार खुद को बदलना पड़ रहा है। यदि उन्हें प्रशिक्षण और सहयोग नहीं मिला, तो आने वाले समय में हजारों पारंपरिक कारीगर इस उद्योग से बाहर हो सकते हैं। सरकार इस चुनौती का समाधान स्वर्ण मुद्रीकरण योजना में देख रही है। इस योजना के तहत लोग अपने घरों में रखा सोना बैंकों में जमा कर सकते हैं और उस पर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। सरकार का उद्देश्य घरेलू सोने को आर्थिक प्रणाली में लाना और आयात पर निर्भरता कम करना है। सिद्धांत रूप से यह योजना आकर्षक लगती है, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर इसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसका सबसे बड़ा कारण भारतीय समाज की भावनात्मक सोच है। यहां सोना केवल संपत्ति नहीं, बल्कि पीढ़ियों की यादों और परंपराओं से जुड़ा होता है। लोग अपने पारिवारिक गहनों को पिघलाकर बैंक में जमा करने में सहज महसूस नहीं करते।

इसके अलावा अधिक आयात शुल्क का एक खतरनाक पहलू भी सामने आ सकता है–तस्करी। इतिहास गवाह है कि जब भी सोने पर अत्यधिक कर लगाए गए, अवैध कारोबार बढ़ा। यदि भारत में सोना अत्यधिक महंगा हो जाता है, तो पड़ोसी देशों के रास्ते अवैध तस्करी और काला बाजार सक्रिय हो सकता है। इससे सरकार को राजस्व नुकसान होगा और वैध कारोबारियों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। इसलिए सरकार को संतुलित नीति अपनानी होगी ताकि विदेशी मुद्रा की बचत भी हो और वैध उद्योग भी सुरक्षित रह सके।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सोने की भूमिका केवल उपभोग तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह आज भी वित्तीय सुरक्षा का सबसे विश्वसनीय माध्यम माना जाता है। किसान और छोटे व्यापारी संकट के समय सोना गिरवी रखकर ऋण प्राप्त करते हैं। बैंकिंग व्यवस्था तक सीमित पहुंच वाले करोड़ों लोगों के लिए सोना एक प्रकार की निजी बैंकिंग व्यवस्था की तरह काम करता है। इसलिए सोने की उपलब्धता और कीमत का सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

सरकार को यह समझना होगा कि केवल आयात शुल्क बढ़ाकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। देश में घरेलू स्वर्ण उत्पादन बढ़ाने, पुराने सोने के विनिमय को प्रोत्साहन देने, हल्के आभूषणों को बढ़ावा देने और स्वर्ण जमा योजनाओं को अधिक भरोसेमंद बनाने की जरूरत है। कर्नाटक की कोलार स्वर्ण खदानों को दोबारा सक्रिय करने जैसे सुझाव भी गंभीरता से विचार योग्य हैं। साथ ही सरकार को उद्योग के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए ताकि नीतियां व्यवहारिक और संतुलित बन सकें।आभूषण उद्योग को भी समय के साथ बदलना होगा। केवल भारी सोने के गहनों पर निर्भर रहने के बजाय डिजाइन, गुणवत्ता और नवाचार पर जोर देना होगा। युवाओं की बदलती पसंद को समझना होगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म, हल्के डिजाइन और किफायती विकल्प भविष्य का बाजार तय करेंगे। यदि उद्योग समय रहते खुद को नहीं बदलता, तो संकट और गहरा सकता है।

अंततः यह पूरा विवाद केवल सोने की कीमतों का नहीं, बल्कि उस संतुलन का है जिसमें देश की आर्थिक जरूरतें, सांस्कृतिक परंपराएं और करोड़ों लोगों की आजीविका एक साथ जुड़ी हुई हैं। सरकार को विदेशी मुद्रा बचानी है, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नीतियों का बोझ उन लाखों परिवारों पर न पड़े जिनकी रोटी इस उद्योग से चलती है। सोने की चमक भले आज भी बरकरार हो, लेकिन उसके पीछे छिपा आर्थिक अंधेरा लगातार गहराता दिखाई दे रहा है।

## विचार विण्डो

# वैज्ञानिक सोच से ही टूटेगा अंधविश्वास का जाल

नीरज दुबे

भारत आज विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष अनुसंधान, परमाणु शक्ति, डिजिटल तकनीक और चिकित्सा विज्ञान में देश ने दुनिया को अपनी क्षमता का परिचय दिया है। चंद्रयान और गगनयान जैसी उपलब्धियां भारत की वैज्ञानिक सोच और शोध क्षमता का प्रमाण हैं। लेकिन इन सफलताओं के बीच एक कटु सच्चाई भी सामने आती है कि देश में अंधविश्वास और ढोंग का जाल लगातार फैलता जा रहा है। तंत्र–मंत्र, चमत्कार, ग्रह दोष और भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है। कई मामलों में यह अंधविश्वास केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हत्या, यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर अपराधों का कारण बन जाता है।

हाल ही में राजस्थान के पाली जिले में हुई घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। एक व्यक्ति ने कथित धार्मिक बहकावे में आकर एक मासूम बच्चे की हत्या कर दी। इससे पहले झारखंड में तंत्र–मंत्र के नाम पर एक किशोरी की बलि देने का मामला सामने आया था। ऐसी घटनाएं यह बताती हैं कि अंधविश्वास केवल व्यक्तिगत मान्यता नहीं, बल्कि समाज और मानवता के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन घटनाओं के पीछे केवल अशिक्षा नहीं, बल्कि भय, लालच और मानसिक असुरक्षा भी काम करती है।

आमतौर पर यह माना जाता है कि पढ़े–लिखे लोग अंधविश्वास से दूर रहते हैं, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। आज शिक्षित और संपन्न वर्ग भी तथाकथित बाबाओं, तांत्रिकों और ज्योतिषियों के प्रभाव में आ जाता है। महाराष्ट्र के चर्चित ज्योतिषी अशोक खरात का मामला इसका बड़ा उदाहरण है। उस पर कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोप लगे। उसके संपर्क में बड़े कारोबारी, नेता और उच्च शिक्षित परिवार भी थे। यह दिखाता है कि अंधविश्वास केवल जानकारी की कमी नहीं, बल्कि मानसिक कमजोरी और असुरक्षा का परिणाम भी है।

जब व्यक्ति जीवन में संकट का सामना करता है, तब वह तर्क के बजाय भावनाओं के आधार पर निर्णय लेने लगता है। बीमारी, बेरोजगारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक तनाव लोगों को ऐसे आसान समाधान की ओर धकेलते हैं, जहां बिना मेहनत के चमत्कार की उम्मीद दिखाई देती है। ढोंगी

लोग इसी मानसिक स्थिति का फायदा उठाते हैं। वे भय पैदा करते हैं और फिर उसके समाधान के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार लोग अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान चाहते हैं, इसलिए वे प्रमाण और विज्ञान को नजरअंदाज कर अंधविश्वास की राह पकड़ लेते हैं।

भारत जैसे समाज में परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं का गहरा प्रभाव है। आस्था और संस्कृति समाज की पहचान होती हैं, लेकिन जब किसी विश्वास को बिना तर्क और प्रमाण के अंतिम सत्य मान लिया जाता है, तब वह अंधविश्वास का रूप ले लेता है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब समाज के प्रभावशाली लोग भी ऐसे ढोंग और चमत्कारों का समर्थन करते दिखाई देते हैं। बड़े नेता और चर्चित हस्तियां कथित बाबाओं के चरणों में नतमस्तक दिखाई देते हैं। इससे आम जनता का भरोसा और मजबूत होता है और लोग बिना सोचे–समझे ऐसे लोगों के प्रभाव में आ जाते हैं। सोशल मीडिया ने भी अंधविश्वास को फैलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। आज इंटरनेट पर हजारों वीडियो और पोस्ट ऐसे मिल जाते हैं, जिनमें चमत्कार, ग्रह दोष, तंत्र–मंत्र और भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को प्रभावित किया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सनसनीखेज और भावनात्मक सामग्री तेजी से फैलती है। कई लोग बिना जांच–पड़ताल के इन्हें सच मान लेते हैं। यही कारण है कि अंधविश्वास अब गांवों और कस्बों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शहरों और शिक्षित वर्ग तक भी गहराई से पहुंच चुका है। इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होगा। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उसका उद्देश्य बच्चों में तर्क, विश्लेषण और सवाल पूछने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि हर बात को आंख बंद करके स्वीकार करना सही नहीं है। वैज्ञानिक सोच का अर्थ धर्म या संस्कृति का विरोध नहीं, बल्कि हर दावे को प्रमाण और तर्क की कसौटी पर परखना है। स्कूलों और कॉलेजों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को व्यवहारिक रूप से बढ़ावा देने की आवश्यकता है। विज्ञान मेलों, जागरूकता शिविरों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यह समझाया जाना चाहिए कि कई तथाकथित चमत्कार वास्तव में हाथ की सफाई, भ्रम या मनोवैज्ञानिक प्रभाव होते हैं। जब लोग किसी घटना के पीछे का वैज्ञानिक कारण समझेंगे, तब वे अंधविश्वास से दूर होने लगेंगे। कानून व्यवस्था की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। अंधविश्वास के नाम पर हत्या, यौन शोषण और धोखाधड़ी जैसे अपराधों में कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कई राज्यों में अंधविश्वास विरोधी कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी पालन अभी भी चुनौती बना हुआ है। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। प्रशासन को ऐसे गिरोहों और ढोंगी बाबाओं की गतिविधियों पर पहले से नजर रखनी चाहिए। मीडिया की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। समाचार चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों को टीआरपी के लिए अंधविश्वास और चमत्कारों का प्रचार करने से बचना चाहिए। तथ्य आधारित रिपोर्टिंग और वैज्ञानिक जानकारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कई बार मनोरंजन के नाम पर ऐसे कार्यक्रम दिखाए जाते हैं, जो अंधविश्वास को बढ़ावा देते हैं। मीडिया यदि जागरूकता फैलाने का माध्यम बने, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या कानून नहीं लड़ सकते। इसके लिए पूरे समाज को मिलकर प्रयास करना होगा। परिवारों में बच्चों को सवाल पूछने और तर्क करने के लिए प्रेरित करना होगा। धार्मिक आस्था और वैज्ञानिक सोच के बीच संतुलन बनाना होगा। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन की समस्याओं का समाधान मेहनत, ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण में है, न कि चमत्कारों और भय के कारोबार में।

भारत यदि वास्तव में वैज्ञानिक महाशक्ति बनना चाहता है, तो उसे केवल तकनीकी उपलब्धियों पर गर्व करने से आगे बढ़ना होगा। वैज्ञानिक सोच को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना होगा। जब लोग तर्क, विवेक और प्रमाण को अपनाएंगे, तभी अंधविश्वास का अंधेरा कमजोर पड़ेगा और एक जागरूक, सुरक्षित तथा प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

### एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल पहल से स्टेडियम बनेगा उम्मीदों का मंच

# वानखेड़े में हजारों बच्चों का सपना होगा साकार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मुंबई इंडियंस की सालाना सामाजिक पहल 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' (ईएसए ) एक बार फिर क्रिकेट प्रेमियों और बच्चों के लिए खास अनुभव लेकर आ रही है। 24 मई को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं होगा, बल्कि हजारों बच्चों के सपनों को जीने का अवसर भी बनेगा।

इस पहल के तहत इस बार 20 हजार से अधिक बच्चों को स्टेडियम में लाइव मैच देखने का मौका मिलेगा। रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित, ग्रामीण, आदिवासी और विशेष जरूरतों वाले बच्चों को खेल के माध्यम से प्रेरित करना है। कई बच्चों के लिए यह पहला अवसर होगा जब वे न केवल मुंबई की यात्रा करेंगे, बल्कि वानखेड़े स्टेडियम के भीतर बैठकर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखेंगे।

ईएसए कार्यक्रम अब आईपीएल की सबसे भावनात्मक और प्रभावशाली सामाजिक पहलों में से एक बन चुका है। इस बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (इंडिया) के दृष्टिहीन बच्चे भी इस अनुभव का हिस्सा बनेंगे। उनके लिए विशेष ऑडियो और सहायक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि वे भी मैच के रोमांच को महसूस कर सकें।

स्टेडियम में इस आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों से 500 से अधिक बसों के माध्यम से बच्चों को लाया जाएगा। इनमें पुणे, नासिक, सतारा और अन्य आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले बच्चे भी शामिल होंगे। सुरक्षा, चिकित्सा और प्रबंधन के लिए हजारों वॉलंटियर्स, पुलिसकर्मी और मेडिकल टीमें तैनात रहेंगी। इस आयोजन में 1 लाख से अधिक खाने के पैकेट और पेय पदार्थों की व्यवस्था की जाएगी। सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल की मेडिकल टीम भी पूरे समय स्टेडियम में मौजूद रहेगी ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई पुलिस और ट्रैफिक विभाग शहर में सुचारू आवागमन बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम करेंगे।

### 24 मई को क्रिकेट से ज्यादा भावनाओं का दिन

मुंबई इंडियंस के लिए ईएसए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक परंपरा बन चुका है, जो हर साल बच्चों को उम्मीद और खुशी का अनुभव कराता है। यह पहल साबित करती है कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और प्रेरित करने का एक मजबूत माध्यम भी हो सकता है।

# सारा तेंदुलकर ने बॉडी शेमिंग करने वाला ट्रोलर को सिखाया सबक

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई हैं। इस बार वजह कोई ग्लैमरस पोस्ट या प्रोफेशनल अपडेट नहीं, बल्कि एक ट्रोल को दिया गया करारा जवाब है। एक शख्स ने सारा की एक वीडियो क्लिप को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बेहद आपत्तिजनक और बॉडी शेमिंग करने वाला कमेंट किया, जिसमें उन्हें "मोटी" जैसे शब्दों से संबोधित किया गया।

यह वीडियो तब का बताया जा रहा है जब सारा अपने परिवार के एक सदस्य के साथ नजर आ रही थीं। पोस्ट के साथ किए गए भद्दे कैप्शन ने सोशल मीडिया पर तुरंत विवाद खड़ा कर दिया। जैसे ही यह बात सारा तक पहुंची, उन्होंने बिना देर किए इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की।

सारा ने अपने पहले रिएक्शन में लिखा कि "तुम घिनौने हो, यह पत्रकारिता नहीं है, हमें अकेला छोड़ दो।" उनका यह बयान तेजी से वायरल हो गया और यूजर्स ने ट्रोलिंग की कड़ी आलोचना शुरू कर दी। बढ़ते दबाव के बाद संबंधित यूजर ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हुआ।

इसके बाद सारा ने एक और स्टोरी शेयर करते हुए साफ लिखा कि "पोस्ट डिलीट करने से तुम कम घिनौने नहीं हो जाते।" उनके इस सख्त रुख को सोशल मीडिया पर काफी समर्थन मिला है। कई लोगों ने इसे बॉडी शेमिंग और पर्सनल प्राइवेसी में दखल के खिलाफ एक मजबूत संदेश बताया।

सारा तेंदुलकर, जिन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से न्यूट्रिशन में मास्टर्स किया है, आज केवल एक स्टार किड ही नहीं बल्कि एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और मॉडल के रूप में भी पहचान बना चुकी हैं। उनकी यह प्रतिक्रिया एक बार फिर ऑनलाइन ट्रोलिंग और सेलेब्रिटी प्राइवेसी पर बहस को तेज कर गई है।

### मोहन भागवत से मुलाकात पर ट्रोल हुए अदनान सामी

# अदनान बोले मैं खुदा को जवाब देता

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मशहूर गायक अदनान सामी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। इस बार वजह उनकी मोहन भागवत से हुई मुलाकात, जिसके बाद उनकी तस्वीरें सामने आते ही ऑनलाइन बहस और ट्रोलिंग शुरू हो गई। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस मुलाकात को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं और उन्हें निशाने पर लिया। हालांकि, ट्रोलिंग बढ़ने के बावजूद अदनान सामी ने इस पूरे मामले पर बेबाक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि वह एक आजाद इंसान हैं और अपने फैसले खुद लेते हैं। उनके मुताबिक, वह वही करते हैं जो उन्हें सही लगता है और किसी भी बाहरी दबाव या राय के आधार पर अपनी जिंदगी के निर्णय नहीं बदलते।

### सोशल मीडिया पर तीखी बहस तेज हुई

अदनान सामी ने कहा कि वह सिर्फ खुदा को जवाबदेह मानते हैं और लोगों की राय से अपनी सोच को प्रभावित नहीं होने देते। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोग अक्सर एक तस्वीर या अधूरी जानकारी के आधार पर किसी भी सेलिब्रिटी के बारे में राय बना लेते हैं, जो पूरी तरह गलत है। उनके अनुसार, जो लोग उन्हें ट्रोल करते हैं, वे न तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और न ही उनके जीवन की वास्तविकताओं को समझते हैं। सिंगर ने ट्रोलर्स को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उन्हें इस तरह की आलोचनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर कोई उनके साथ अच्छा व्यवहार करता है तो वह भी वैसा ही जवाब देते हैं, लेकिन बिना वजह की नफरत या नकारात्मकता का उन पर कोई असर नहीं होता।अदनान सामी ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़े सवालों पर भी अप्रत्यक्ष रूप से इशारा किया कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं, चाहे वह भारत में बसने का निर्णय हो या संगीत के क्षेत्र में नए प्रयोग करना। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग अक्सर पूर्वाग्रहों से भरी होती है और इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं होता। इस बीच, उनके फैंस ने भी उनका समर्थन किया है और कहा है कि किसी भी व्यक्ति को उसकी निजी मुलाकातों या व्यक्तिगत विचारों के आधार पर जज नहीं किया जाना चाहिए।

# हार्दिक पांड्या पर कार्रवाई, मैदान में गुस्सा पड़ा भारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान अनुशासनहीनता के चलते सजा दी गई है। बीसीसीआई ने उन्हें मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है और उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। यह कार्रवाई आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के तहत की गई है।

यह मामला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले का है, जहां हार्दिक पांड्या चोट से वापसी के बाद मैदान में उतरे थे। मैच के दौरान उन्होंने गेंदबाजी करते समय गुस्से में आकर विकेट की बेल्स गिरा दीं, जिसे रेफरी ने गंभीर अनुशासनहीनता माना।

जानकारी के अनुसार, केकेआर की पारी के दौरान पांड्या लगातार दो चौके खाने के बाद दबाव में नजर आए। इसके बाद एक महत्वपूर्ण मौके पर जब दीपक चाहर और रॉबिन मिंज ने आसान कैच छोड़ दिया, तो मैच का रुख बदल गया। इसी तनाव के बीच पांड्या का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने रन-अप पर लौटते समय विकेट पर हाथ मार दिया।

### आचार संहिता उल्लंघन पर लगा जुर्माना

### मैच रेफरी ने दी सख्त चेतावनी

आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत यह कार्रवाई की गई है, जो क्रिकेट उपकरण या मैदान से संबंधित वस्तुओं के दुरुपयोग को प्रतिबंधित करता है। मैच रेफरी ने इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए तत्काल जुर्माना लगाने का फैसला लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या ने 2 ओवर में बिना विकेट लिए 13 रन दिए, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने 148 रन का लक्ष्य छह गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। रोवमैन पॉवेल और मनीष पांडे की उपयोगी पारियों ने केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई। मुंबई इंडियंस के लिए यह हार सीजन की नौवीं हार साबित हुई, जबकि टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि मैदान पर भावनाओं पर नियंत्रण न रखना खिलाड़ियों को भारी पड़ सकता है।

# दृश्यम-3 रिलीज से थिएटर में मचा धमाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दृश्यम 3' आज सिनेमाघरों में रिलीज होते ही दर्शकों के बीच छा गई। क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी किस्त को लेकर पहले दिन से ही भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह के शोज खत्म होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर दर्शकों के रिएक्शंस की बाढ़ आ गई, जहां कई लोगों ने फिल्म को सस्पेंस और इमोशन से भरपूर बताया।

फिल्म में जॉर्जकुट्टी की कहानी एक बार फिर नए मोड़ और खतरनाक चुनौतियों के साथ आगे बढ़ती नजर आती है। दर्शकों के मुताबिक, इस बार कहानी पहले से ज्यादा टाइट और थ्रिलिंग है। शानदार सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड म्यूजिक और दमदार निर्देशन ने फिल्म को और मजबूत बनाया है। हालांकि ये शुरुआती रिएक्शन हैं, लेकिन फैंस का उत्साह देखकर साफ है कि फिल्म ने ओपनिंग पर अच्छा प्रभाव छोड़ा है और आने वाले दिनों में इसकी चर्चा और बढ़ सकती है।

# तीन दिन की हड़ताल से थमे हजारों ट्रकों के पहिए

## माल सप्लाई रुकने से बढ़ी व्यापारियों की चिंता

## ईसीसी शुल्क और प्रतिबंधों के खिलाफ प्रदर्शन

**यूनिक समय, लखनऊ।** दिल्ली–एनसीआर में ईसीसी शुल्क और बीएस–4 वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में ट्रांसपोर्टरों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई है। इसका असर मेरठ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में साफ दिखाई देने लगा है। 21 से 23 मई तक चलने वाली इस हड़ताल के चलते करीब 14 हजार ट्रकों के पहिए थम गए हैं, जिससे माल ढुलाई और सप्लाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है।

मेरठ ट्रांसपोर्ट नगर में बड़ी संख्या में ट्रक खड़े दिखाई दिए। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और ट्रक ऑपरेटर्स का कहना है कि माल से लदे ट्रक गोदामों और परिवहन केंद्रों पर रुके हुए हैं। ट्रकों की आवाजाही बंद होने से बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में सामान की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। व्यापारियों और उद्योग संचालकों ने इसे लेकर चिंता जताई है।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि ईसीसी शुल्क और बीएस–4 वाहनों पर प्रतिबंध के कारण कारोबार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार के नए नियमों से छोटे और मध्यम ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ध्यानचंद नगर सहित कई औद्योगिक क्षेत्रों में भी हड़ताल का असर देखा जा रहा है। उद्योग संचालकों का कहना है कि लगातार सप्लाई बाधित होने से उत्पादन और व्यापार दोनों प्रभावित हो सकते हैं। वहीं आम लोगों को भी आने वाले दिनों में जरूरी सामान की उपलब्धता और कीमतों पर असर देखने को मिल सकता है।

## भीषण गर्मी में बिजली विभाग ने लिया बड़ा फैसला

# 19 जिलों में कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल रद्द

## निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने पर जोर

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और बिजली की रिकॉर्ड मांग को देखते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। निगम ने 19 जिलों में बिजली विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की सभी छुट्टियां 31 जुलाई तक रद्द कर दी हैं। साथ ही जो कर्मचारी और अधिकारी पहले से अवकाश पर हैं, उन्हें तुरंत ड्यूटी पर लौटने के आदेश जारी किए गए हैं। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण प्रदेश में बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में किसी भी तकनीकी खराबी या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की मौजूदगी जरूरी मानी गई है।

यह आदेश लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत समेत 19 जिलों में लागू किया गया है। निगम ने सभी मुख्य अभियंताओं को आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। एमडी ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी कर्मचारी या अभियंता को विशेष परिस्थिति में छुट्टी की आवश्यकता होती है, तो उसे अधिशासी अभियंता और मुख्य अभियंता के माध्यम से आवेदन भेजना होगा। अंतिम मंजूरी केवल एमडी स्तर से ही दी जाएगी।

बिजली विभाग का मानना है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे बिजली की मांग में और इजाफा होगा। ऐसे में विभाग किसी भी तरह की लापरवाही से बचना चाहता है ताकि आम लोगों को गर्मी के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलती रहे।

# यूपी में बड़े स्तर पर आईपीएस अफसरों के तबादले

## कई वरिष्ठ अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

## ए सतीश गणेश का बढ़ा प्रशासनिक दायरा

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए नौ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इस बदलाव को कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक यातायात एवं सड़क सुरक्षा ए सतीश गणेश की जिम्मेदारी बढ़ाते हुए उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक अपराध उत्तर प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। वहीं जय नारायण सिंह को पुलिस महानिदेशक ईओडब्ल्यू उत्तर प्रदेश, लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले वे यूपी पावर कॉरपोरेशन में पुलिस महानिदेशक और अपर पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। सरकार का कहना है कि यह फेरबदल प्रशासनिक कार्यों में तेजी और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। आने वाले दिनों में कुछ और विभागों में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

# प्रेम संबंधों से नाराज पिता ने बेटी की हत्या की

## ऑनर किलिंग में शव के किए छह टुकड़े

## ट्रेन में बक्से में रखकर पहुंचा आरोपी पिता

**यूनिक समय, कुशीनगर।** उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में ऑनर किलिंग का बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। छपरा–गोमतीनगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में बक्से से मिली किशोरी की सिरकटी लाश की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने खुलासा किया कि पिता ने ही अपनी 16 वर्षीय बेटी की हत्या कर शव के छह टुकड़े किए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी दो बेटियों के प्रेम विवाह से पहले से नाराज था और तीसरी बेटी के भी एक युवक से बातचीत करने पर गुस्से में रहता था।

आरोप है कि पिता ने बहन और बहनोई के साथ मिलकर घर में किशोरी की हत्या की और शव के टुकड़े कर बक्से में भर दिया। बाद में आरोपी ई–रिक्शा से रेलवे स्टेशन पहुंचा और शव को ट्रेन के स्लीपर कोच में रखकर फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

# यूपी कर्मचारियों को मिला महंगाई भत्ते का बड़ा तोहफा

## दो फीसदी बढ़े डीए से बढ़ेगी राहत

## जनवरी 2026 से मिलेगा बढ़ा हुआ लाभ

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते में दो फीसदी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एक जनवरी 2026 से लागू माना जाएगा। इस फैसले से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को सीधा फायदा मिलने जा रहा है।

सरकार के इस निर्णय का लाभ राज्य कर्मचारियों के साथ सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित और पूर्णकालिक कर्मचारियों को भी मिलेगा। इसके अलावा कार्य प्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमान में कार्यरत पदधारकों को भी बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ दिया जाएगा।

महंगाई और बढ़ते खर्चों के बीच सरकार के इस फैसले को कर्मचारियों के लिए राहतभरा कदम माना जा रहा है। लंबे समय से कर्मचारी संगठनों द्वारा महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग की जा रही थी। अब डीए में बढ़ोतरी होने से कर्मचारियों की मासिक आय में इजाफा होगा और आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होने की उम्मीद है।

सरकार का कहना है कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि बढ़ती महंगाई के बीच उन्हें आर्थिक सहारा मिल सके।

# गायों को बचाने के लिए बनेगी नई डिजिटल वेबसाइट

## गो–एलएक्स मंच से होगी ऑनलाइन खरीदारी

## गोहत्या रोकने को शंकराचार्य ने उठाया कदम

**यूनिक समय, वाराणसी ।** वाराणसी में गोहत्या के खिलाफ अभियान चला रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गायों की ऑनलाइन खरीद–फरोख्त के लिए नई वेबसाइट शुरू करने का ऐलान किया है। इस प्लेटफॉर्म का नाम "गो–एलएक्स" रखा गया है, जो ऑनलाइन खरीद–बि क्री मंच ओएलएक्स की तर्ज पर काम करेगा।

शंकराचार्य ने कहा कि इस वेबसाइट के माध्यम से ऐसे पशुपालक अपनी गाय बेच सकेंगे, जो आर्थिक कारणों से उन्हें रखना नहीं चाहते। उन्होंने दावा किया कि उनका उद्देश्य गायों को कटने से बचाना और गो संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपनी गाय बेचना चाहता है, तो वह वेबसाइट पर जानकारी डाल सकता है और गो सेवक या गो भक्त उन गायों को खरीदकर उनकी सेवा कर सकेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर यह धारणा बनाई जा रही है कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे तो हिंदू पशुपालकों को आर्थिक संकट झेलना पड़ेगा। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए "गो–एलएक्स" की शुरुआत की जा रही है। शंकराचार्य के अनुसार, दूध देना बंद कर चुकी या कसाई को बेची जाने वाली गायों को भी यह मंच संरक्षण देने का प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि कई मुस्लिम समुदाय के लोग भी गोहत्या बंदी के समर्थन में हैं और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सहयोग कर रहे हैं। शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि गायों को बचाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा और "गो–एलएक्स " उसी दिशा में एक नई पहल है।

# महंगाई विरोध प्रदर्शन पर आगरा में सपा का हंगामा

## सांसद को रास्ते में रोका गया

**यूनिक समय, आगरा।** आगरा में गुरुवार को महंगाई और आर्थिक संकट के विरोध में समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन जोरदार राजनीतिक टकराव में बदल गया। सपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, जबकि कई नेताओं को पुलिस ने पहले ही रोक लिया। महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में कार्यकर्ता जीवनी मंडी से कलेक्ट्रेट के लिए निकलने वाले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाना छत्ता में बैठा लिया। इसकी खबर मिलते ही बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और घेराव कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को भी पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। पुलिस और सांसद के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया गया। प्रशासन ने कानून–व्यवस्था का हवाला देते हुए प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने की बात कही। कलेक्ट्रेट पर पहुंचे सपा कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को घेरा।

### एच-1 बी वीजा संकट से भारतीय पेशेवरों की बढ़ी चिंता

# नौकरी गई तो 60 दिन में छोड़ना होगा अमेरिका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में जारी छंटनी ने भारतीय आईटी पेशेवरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मेटा, अमेजन और लिंक्डइन जैसी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन पर तेजी से फोकस कर रही हैं, जिसके चलते हजारों कर्मचारियों की नौकरियां जा रही हैं। हाल ही में मेटा द्वारा बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी किए जाने के बाद एच-1बी वीजा पर काम कर रहे भारतीयों के बीच चिंता और बढ़ गई है।

अमेरिका में अधिकांश भारतीय टेक प्रोफेशनल्स एच-1बी वीजा पर काम करते हैं, जो सीधे उनकी नौकरी और कंपनी से जुड़ा होता है। अमेरिकी नियमों के अनुसार, नौकरी समाप्त होने के बाद कर्मचारी को नया स्पॉन्सर खोजने के लिए केवल 60 दिनों का समय मिलता है। यदि इस अवधि में नई नौकरी और वीजा ट्रांसफर नहीं हो पाता, तो व्यक्ति को कानूनी रूप से अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है।

इस संकट का असर सिर्फ करियर तक सीमित नहीं है। कई भारतीय परिवार वर्षों से अमेरिका में रह रहे हैं, घर खरीद चुके हैं और उनके बच्चे वहीं पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में नौकरी जाने का मतलब केवल आय रुकना नहीं, बल्कि पूरे परिवार की स्थिरता पर खतरा बन जाना है। ग्रीन कार्ड बैकलॉग के कारण हजारों भारतीय पहले से ही लंबे इंतजार में फंसे हुए हैं।

स्थिति से बचने के लिए कुछ कर्मचारी अस्थायी तौर पर बी-2 विजिटर वीजा में बदलने का रास्ता अपना रहे हैं ताकि नौकरी तलाशने के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। हालांकि, अब अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारी ऐसे मामलों की सख्ती से जांच कर रहे हैं। बढ़ती अनिश्चितता के बीच कई भारतीय पेशेवर भारत लौटने या कनाडा और यूरोप जैसे देशों में अवसर तलाशने पर विचार कर रहे हैं। वहीं ग्रीन कार्ड धारकों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत कम माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें अमेरिका छोड़ने का तत्काल खतरा नहीं होता।

# कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट अचानक सस्पेंड

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुई 'कॉकरोच जनता पार्टी' का एक्स अकाउंट सस्पेंड होने के बाद इंटरनेट पर नई बहस छिड़ गई है। यह डिजिटल अभियान कथित तौर पर सूर्यकांत के एक बयान के बाद मजाकिया अंदाज में शुरू हुआ था, लेकिन कुछ ही दिनों में लाखों युवाओं का ध्यान अपनी ओर खींचने लगा। बेरोजगारी और सिस्टम पर व्यंग्य करने वाले मीम्स और पोस्ट्स की वजह से यह हैंडल तेजी से वायरल हुआ था।

अकाउंट बंद होने के बाद पार्टी के संस्थापक ने वीडियो जारी कर दावा किया कि अचानक बढ़ी लोकप्रियता और प्लेटफॉर्म नियमों के हवाले से यह कार्रवाई की गई। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि बढ़ते प्रभाव और तीखे व्यंग्य भी इसके पीछे वजह हो सकते हैं। इस कदम के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया, जबकि कई लोगों का मानना है कि सार्वजनिक संस्थाओं पर व्यंग्य की भी सीमाएं होनी चाहिए। अब अकाउंट बहाल कराने के लिए एक्स कॉर्प से अपील की तैयारी की जा रही है।

# सीबीएसई पोर्टल पर उमड़ी भीड़ छात्रों को बोर्ड की चेतावनी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई ने 12वीं के छात्रों को आंसर शीट देखने को लेकर अहम चेतावनी जारी की है। बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी के लिए पोर्टल शुरू होते ही लाखों छात्रों ने एक साथ आवेदन करना शुरू कर दिया, जिससे सिस्टम पर भारी दबाव बढ़ गया।

सीबीएसई के अनुसार, पोर्टल खुलने के शुरुआती तीन घंटों में ही 1.27 लाख से ज्यादा छात्रों ने आवेदन जमा किए, जबकि करीब 3.87 लाख आंसर शीट की मांग दर्ज हुई। भारी ट्रैफिक के बीच बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। बोर्ड ने साफ कहा है कि जल्दबाजी में गलत या अधूरी जानकारी भरने पर आवेदन तुरंत रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही छात्रों को बार-बार नया आवेदन सबमिट न करने की सलाह भी दी गई है। सीबीएसई के मुताबिक, अब पोर्टल सामान्य रूप से काम कर रहा है और छात्र अपने आवेदन का स्टेटस ऑनलाइन देख सकते हैं।

# दिल्ली एयरपोर्ट पर इबोला खतरे से हाई अलर्ट जारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** इबोला वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली एयरपोर्ट समेत देश के प्रमुख एयरपोर्ट्स पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और डीजीएचएस ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की सख्त निगरानी की जाएगी। सरकार ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान को हाई रिस्क देशों की सूची में रखा है।

एयरपोर्ट पर यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग बढ़ा दी गई है और संदिग्ध लक्षण मिलने पर तुरंत मेडिकल जांच की जाएगी। तेज बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त और गले में खराश जैसे लक्षण दिखने पर यात्रियों को तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचना देने की सलाह दी गई है।

सरकार ने लोगों से सावधानी बरतने, हाथ साफ रखने और भीड़भाड़ वाली जगहों पर सतर्क रहने की अपील की है। फिलहाल भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन संक्रमण रोकने के लिए निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है।

# बकरीद कुर्बानी बयान पर बंगाल राजनीति में बढ़ा विवाद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में बकरीद से पहले कुर्बानी को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। हुमायूं कबीर ने राज्य सरकार के उस आदेश का विरोध किया है, जिसमें खुले में पशु कुर्बानी पर रोक लगाने की बात कही गई थी। कबीर ने साफ कहा कि कुर्बानी सदियों पुरानी परंपरा है और इसे रोका नहीं जा सकता।

उन्होंने बयान देते हुए कहा कि बकरी, ऊंट और गाय की कुर्बानी भी होती रहेगी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस तेज हो गई है। कई लोगों ने इसे विवादित और माहौल बिगाड़ने वाला बयान बताया है। वहीं प्रशासन ने कहा है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

राज्य सरकार ने एनिमल स्लॉटर कंट्रोल एक्ट 1950 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी को नियंत्रित करने का आदेश जारी किया था। इस बीच बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले के पक्षकार इकबाल अंसारी ने मुस्लिम समुदाय से गाय का सम्मान करने की अपील की है।

### हुमायूं कबीर ने सरकार को खुली चुनौती

### कुर्बानी बयान से बढ़ी सांप्रदायिक तनाव की आशंका

# एएमसीए प्रोजेक्ट शिफ्ट होने से विजय सरकार को झटका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत के महत्वाकांक्षी लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट एएमसीए को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। पहले यह उड़ान परीक्षण और इंटीग्रेशन हब तमिलनाडु में बनने की चर्चा थी, लेकिन अब केंद्र सरकार ने इसे आंध्र प्रदेश में स्थापित करने का फैसला किया है। इस फैसले को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री थलपति विजय के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पुट्टपर्थी में करीब 15 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना की नींव रखी।

### आंध्रप्रदेश पहुंचा एएमसीए परीक्षण का बड़ा प्रोजेक्ट

बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार पिछले तीन वर्षों से इस प्रोजेक्ट को होसुर में लाने की कोशिश कर रही थी। एएमसीए भारत का पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ लड़ाकू विमान है, जिसमें अत्याधुनिक रडार से बचने वाली तकनीक, सुपरक्रूज क्षमता और डिजिटल सिस्टम शामिल हैं। हालांकि प्रोजेक्ट शिफ्ट होने के कारणों को लेकर अब भी कई सवाल उठ रहे हैं।

# नीट पेपर लीक पर जयपुर में कांग्रेस का हल्लाबोल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी मुख्यालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए लगाए गए बैरिकेड्स पर कई कार्यकर्ता चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच ध क्का-मुक्की हुई। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान "नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में" जैसे नारे भी लगाए गए।

कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और एनटीए को भंग करने की मांग की।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। प्रशासन ने किसी भी टकराव से बचने के लिए पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी।

# दिल्ली में राशन कार्ड नियम बदलने से बड़ी राहत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने राशन कार्ड धारकों और नए आवेदकों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि अब 1.20 लाख रुपये सालाना आय वाले परिवार भी राशन कार्ड बनवा सकेंगे। इससे पहले आय सीमा 1 लाख रुपये थी। सरकार भविष्य में इसे बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये तक करने की तैयारी में है। सरकार ने ऑडिट के बाद 7.71 लाख अपात्र लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए हैं, ताकि जरूरतमंद लोगों को योजना का सही लाभ मिल सके। 15 मई से नए राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आवेदन पूरी तरह डिजिटल और बायोमेट्रिक प्रणाली पर आधारित होगा। सरकार के अनुसार राशन वितरण भी बायोमेट्रिक तरीके से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगेगी। आवेदन के लिए आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र जरूरी होंगे।

# फर्जी पहचान बनाकर युवती संग गैंगरेप का सनसनीखेज मामला

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** एक 23 वर्षीय युवती ने युवक पर फर्जी हिंदू पहचान बताकर दोस्ती करने, गैंगरेप और धर्म परिवर्तन के लिए प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, साल 2021 में सोशल मीडिया के जरिए उसकी मुलाकात एक युवक से हुई, जिसने खुद को "साहिल" बताया, लेकिन बाद में उसका असली नाम "फहीम" निकला। युवती का आरोप है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर विश्वास जीता और बाद में बटला हाउस बुलाकर उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि घटना का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया। बाद में उसे मेरठ ले जाकर दोबारा प्रताड़ित किया गया।

मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जामिया नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच जारी है। पुलिस सभी आरोपों और संबंधित तथ्यों की गहराई से जांच कर रही है।

# समीक्षा बैठक में राजस्व वसूली और वाद निस्तारण पर सख्ती

मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप।

**यूनिक समय, आगरा।** गुरुवार को मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में लघु सभागार में मंडल स्तरीय कर–करेत्तर कार्यों, राजस्व वादों और आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वाणिज्य कर विभाग में आगरा मंडल के चारों जिले मासिक लक्ष्य से पीछे रहे। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग में केवल मैनपुरी ने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किया, जबकि अन्य जिले पीछे रहे। परिवहन और विद्युत मद में सभी जिलों ने लक्ष्य हासिल किया, लेकिन खनिज मद में चारों जिलों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई।

विधिक माप विभाग में मथुरा को छोड़कर अन्य जिले लक्ष्य से पीछे रहे। वहीं विविध मद में मथुरा और मैनपुरी की वसूली प्रगति में सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व वादों के निस्तारण की भी समीक्षा की गई। धारा–24 के अंतर्गत फिरोजाबाद और आगरा में सबसे कम वादों का निस्तारण पाया गया, समय सीमा पार कर चुके सैकड़ों मामले लंबित मिले। धारा–34 में मथुरा और मैनपुरी, धारा–67 में आगरा और मथुरा तथा धारा–80 में फिरोजाबाद, मथुरा और आगरा की प्रगति कमजोर रही।

मंडलायुक्त ने सभी लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। वाद निस्तारण में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली पांच तहसीलों की जिलेवार समीक्षा भी की गई।

मंडलायुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे खराब प्रदर्शन वाली तहसीलों में विशेष बैठक कर प्रगति में सुधार करें और समय सीमा पार मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराएं। आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने सभी शिकायतकर्ताओं से शत–प्रतिशत संपर्क करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में शिकायतकर्ताओं से संपर्क नहीं किया गया, उनमें संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया। विभागवार असंतोषजनक फीडबैक की समीक्षा में सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता, उपनिदेशक उद्यान, उप श्रमायुक्त, सहायक शिक्षा निदेशक और संयुक्त निबंधक सहकारिता विभाग के खिलाफ सबसे अधिक शिकायतें सामने आईं।

बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन राजेश कुमार,डीएम आगरा मनीष बंसल, डीएम मथुरा सी पी सिंह,डीएम फिरोजाबाद संतोष कुमार शर्मा, डीएम मैनपुरी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, एडीएम वित्त संदीप कुमार वर्मा, एडीएम वित्त मथुरा पंकज वर्मा, एडीएम न्यायिक फिरोजाबाद अरविंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

## मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप ने लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों के अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

## पार्क में गूंजा अध्यात्म का संदेश संतों ने बताई प्रभु प्रेम की राह

श्रीराधा सिटी कॉलोनी पार्क में प्रवचन सुनते हुए संत निरंकारी भक्त।

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन रोड स्थित श्री राधा सिटी कॉलोनी के योग पार्क में आज सुबह आध्यात्मिक माहौल दिखा। संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित सत्संग कार्यक्रम में संतों ने प्रभु प्रेम, ब्रह्म ज्ञान और आध्यात्मिक जीवन का संदेश देकर लोगों को भाव-विभोर कर दिया। मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि संत निरंकारी मिशन द्वारा खुले पार्कों में आध्यात्मिक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित सत्संग में दिल्ली से आए निरंकारी प्रचारक संत नेपाल सिंह ने कहा कि परमात्मा सर्वव्यापक, अटल और अनंत गुणों का स्वामी है, जिसे जीते जी महसूस और देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सतगुरु से ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर व्यक्ति प्रभु को जान सकता है, पहचान सकता है और सच्चे प्रेम के माध्यम से उससे जुड़ सकता है। जोनल इंचार्ज संत एचके अरोड़ा ने कहा कि संत निरंकारी मिशन आध्यात्मिक जागरुकता के साथ–साथ समाज सेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर हरिमोहन शर्मा,केएल गोस्वामी, हरिओम गौड़, लालचंद, राधेलाल और योग परिवार के सदस्य आदि मौजूद रहे।

## 'जानो, देखो, पहचानो फिर करो प्रभु से प्रेम' का दिया संदेश

## सद्भावना दिवस के रूप में मना राजीव गांधी का बलिदान दिवस

पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी के 35 वें बलिदान दिवस पर कांग्रेस कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और कांग्रेस कार्यकर्ता।

**यूनिक समय,मथुरा।** भारत में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति के जनक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का 35 वां बलिदान दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय सेठबाड़ा में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। पार्टीजनों ने गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि राजीव गांधी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे,उन्होंने देश की प्रगति के लिए कार्यक्रमों को तेजी से बढ़ाया और गांव में सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के लिए जवाहर योजना, पंचायत राज व्यवस्था, कंप्यूटर, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे संचार क्रांति की रूपरेखा प्रस्तुत कर गांव और शहरों को खुशहाली दी।

संचालन कुंवर सिंह निषाद ने किया। अन्य वक्ताओं में महामंत्री वैद्य मनोज,पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, रूपा लवानिया. ललिता देवी, गीत दिवाकर, लता चौहान, महेंद्र पांडव, महेश चौबे, रमेश कश्यप प्रेम शंकर शर्मा, हरिओम उपाध्याय. अरनव चौधरी, भगवान देवी, गौरांग अग्रवाल. टिंकू धनगर, दिलशाद खान आदि हैं।

## दो माह से वेतन न मिलने पर स्वास्थ्य केंद्र सोनई के संविदा कर्मचारी हड़ताल पर

धरना पर बैठे संविदा कर्मचारी।

**यूनिक समय, राया ( मथुरा)।** पिछले दो माह से वेतन न मिलने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनई के संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठ गये है। कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें पिछले दो महीनों के मानदेय भुगतान अगले माह से समय से वेतन का भुगतान, गत वर्ष की निर्धारित वेतनवृद्धि की जाए। कर्मचारियों का कहना है कि तीन दिन तक आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर बाकी कार्य बाधित रहेंगे। यदि शासन से सहमति नहीं बन पाती है तो 26 मई से आकस्मिक कार्य भी बाधित करने पड़ेंगे। वेतन न मिलने की वजह से बच्चों की स्कूल फीस, घर का राशन और यातायात का भुगतान भी नहीं कर पा रहे हैं। कुछ कर्मचारी दूसरे शहरों से भी काम करने आए हैं उनको यहां गुजारा करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान डॉ. आशुतोष कुशवाह, अन्तरिक्ष चौटीला, रामदास राजपूत, प्रमोद गौतम, डॉ भावना सिंह, सत्यम वर्मा, राजकुमार, नीलम वर्मा, रचना पाल, रश्मि गुप्ता और पवन कुमार आदि कर्मचारी हड़ताल पर थे।

## श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट के नए पदाधिकारियों की घोषणा

श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट के नए पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट के महंत भवानी गिरी और मंडल के संस्थापक राजीव अग्रवाल ने नए सदस्य हरिओम अग्रवाल मांट वाले, माधव गोयल और शुभ बिंदल के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राजेश अग्रवाल, सुभाष चंद्र अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष मनोज अग्रवाल कड़े वाले को मुख्य सलाहकार बनाया गया। अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियांक मल्होत्रा, उपाध्यक्ष अतुल बंसल, सचिव आलोक जैन, सह सचिव मोहित मित्तल, अजय गोला कोषाध्यक्ष नीलू गोला, सह कोषाध्यक्ष सुनील वर्मा, संगठन मंत्री विनय अग्रवाल, ऑडिटर लवनीश अग्रवाल, प्रचार मंत्री भूपेंद्र गर्ग और मीडिया प्रभारी उमेश भदोरिया को दो वर्ष के लिए बनाया गया।

नए अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने बताया कि श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार सभी श्याम प्रेमियों के यहां बाबा श्याम का कीर्तन का गुणगान करता रहेगा। बहुत जल्द सभी पदाधिकारी की एक बैठक करके कार्यकारिणी की घोषणा भी की जाएगी।

## किसान समस्याओं को लेकर भाकियू टिकैत ने की नारेबाजी

**यूनिक समय, मथुरा।** गुरुवार को किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी की और डीएम को ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने बताया कि मौजा जहांगीरपुर खादर में किसने की पैतृक जमीन है, जिसे लेखपाल ने भूमाफियाओं से सांठ–गांठ करके फर्जी रिपोर्ट दी है। कास्तकारों को प्रताड़ित करने की नीयत से शुरू कराए गए सभी मुकदमों को वापस लिया जाएं और किसानों को उनकी पैतृक जमीन पर कब्जा दिलाया जाए। किसान नेताओं ने जायद और खरीफ फसल को लेकर जिले में यूरिया और डीएपी की कमी पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। कहा कि डीएपी और यूरिया की उपलब्धता तत्काल कराई जाए। नहर और रजवहों की सफाई कर जलापूर्ति कराई जाए। ओलावृष्टि से खराब फसलों का मुआवजा दिलाया जाए, नलकूपों की जर्जर लाइनों को भी बदलवाया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मीरा सिंह, धीरी सिंह समेत कई किसान मौजूद रहे।

## अभिनेता सुदेश बेरी पहुंचे बांकेबिहारी के दर पर

**यूनिक समय, वृंदावन।** फिल्म बॉर्डर टू के अभिनेता सुदेश बेरी ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन कर पूजा-अर्चना की। फिर आशीर्वाद लिया।

## तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

**यूनिक समय मथुरा।** जैंत पुलिस ने एक अभियुक्त को देशी तमंचा करातूस रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।पुलिस ने चेकिंग के दौरान अक्षय उर्फ शिवराम निवासी एलआईजी 54 सी महा विद्या कालोनी थाना गोविंदनगर को रामताल चौराहे के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

# उत्तर मध्य रेलवे बोर्ड बैठक में उठीं मथुरा की समस्याएं

उत्तर मध्य रेलवे बोर्ड की बैठक में मौजूद सदस्य और अन्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर मध्य रेलवे की बोर्ड बैठक प्रयागराज स्थित एक होटल में हुई। बैठक में रेलवे अधिकारियों, रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्यों, सांसदों और विधायकों ने अपने–अपने क्षेत्रों की रेलवे संबंधी समस्याएं उठाईं। मथुरा से उत्तर मध्य रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्य मनीष शोरावाला ने नेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से आम जनता की समस्याओं को रेलवे बोर्ड के समक्ष रखा। उन्होंने राजधानी ट्रेन और दिल्ली–भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस के मथुरा में ठहराव समय बढ़ाने, वंदे भारत ट्रेन का स्थायी हॉल्ट मथुरा में किए जाने की मांग की।

रेलवे स्टेशनों पर खराब चेकिंग प्वाइंट और बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों का मुद्दा भी उठाया गया। उन्होंने वर्षा के दौरान अंडरपासों में जलभराव की समस्या उठाते हुए पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था और वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाने का सुझाव दिया। रेलवे महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह और सह महाप्रबंधक अतुल कुमार मिश्रा ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर संजय अग्रवाल, दिव्य राय, अतुल कुमार गुप्ता, भूप सिंह पाल, कृष्ण कुमार गौतम, टीएन अग्रवाल, विवेक चतुर्वेदी, महेश गर्ग, चंदन अग्रवाल और धीरज बंसल सहित कई लोग मौजूद रहे।

## वंदे भारत और राजधानी के ठहराव की मांग

## पुरुषोत्तम मास मे लगाई ठंडे पानी की प्याऊ

पुरुषोत्तम मास में पार्षद की ओर से अपने पिताजी की स्मृति में लगाई प्याऊ पर पानी पीते लोग।

**यूनिक समय, मथुरा।** पुरुषोत्तम मास में ठंडे पानी की प्याऊ लगाकर भीषण गर्मी में लोगों राहत दी। गुरुवार को वार्ड 36 जयसिंहपुरा के पार्षद-कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने अपने पिताजी चंद्रभान भाटिया की स्मृति में पानी की प्याऊ लगाकर भीषण गर्मी में लोगों को राहत दिलाई। इस मौके पर राकेश शर्मा, गिरिराज धनी,कन्हैया बाबा, महेंद्र भाटिया, महेश शर्मा, राजू पंडित, सनी ठाकुर, आदिल, योगेश कुमार, नक्श भाटिया, अंकित खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल, सुधीर गुप्ता आदि मौजूद रहे।